लखनऊ । वाराणसी । नई दिल्ली

19 नवम्बर 2026 गुरूवार
वर्ष : 20 अंक: 135
पृष्ठ : 8
वाराणसी
काशी संस्करण
मूल्य: 2.00 रूपए

लोक हस्तक्षेप

Power Of Truth

हिन्दी दैनिक

www.facebook.com/lokhastakshep www.twitter.com/lokhastakshep /Lokhastakshep /Lokhastakshep

www.lokhastakshep.com



जीरो टॉलरेंस हर उस गुंडे के लिए है जो सिस्टम का दुश्मन है : योगी

- सुरक्षा के बिना न निवेश संभव, न इन्फ्रास्ट्रक्चर और न रोजगार
- पुलिस भर्ती से लेकर फ रेंसिक लैब और साइबर थानों तक यूपी में हुए व्यापक सुधार

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जीरो टॉलरेंस केवल माफिया के लिए नहीं, हर उस गुंडे के लिए है जो इस सिस्टम का दुश्मन है और उसके खिलाफ उसी प्रकार की कार्रवाई भी की जाएगी। बोले, सुरक्षा के बिना न आर्थिक विकास संभव है, न ग्लोबल स्टैंडर्ड का इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जा सकता है और न ही युवाओं को रोजगार दिया जा सकता है। कर्फ्यू और दंगों के माहौल में कोई निवेश नहीं करेगा। विकास के लिए सुरक्षित वातावरण और मजबूत इकोसिस्टम आवश्यकता है। 2017 में प्रदेश में पुलिस के डेढ़ लाख पद खाली थे और भर्ती प्रक्रिया न्यायालय में लंबित थी। सरकार ने पूरी भर्ती प्रक्रिया में बदलाव किया और न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप नई व्यवस्था बनाकर भर्तियां शुरू कीं। पिछले दस वर्षों में सेवानिवृत्त



कार्मिकों के स्थान पर नियुक्तियों और नए पदों के सृजन सहित अब तक 2. 30 लाख पुलिसकर्मियों की भर्ती प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त 32 हजार पुलिसकर्मियों की भर्ती अंतिम चरण में है और उनके सत्यापन की कार्रवाई चल रही है। जल्द ही उन्हें नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे। पहले प्रदेश में एक साथ केवल छह हजार पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण देने की क्षमता थी। अन्य राज्यों, केंद्र सरकार, पैरामिलिट्री और सैन्य प्रशिक्षण केंद्रों की मदद से शुरुआती भर्तियां पूरी की गईं। आज उत्तर प्रदेश की अपनी प्रशिक्षण क्षमता बढ़कर 60 हजार पुलिसकर्मियों की हो गई है। समाजवादी पार्टी ने प्रदेश में पीएसी की 34 कंपनियां समाप्त कर दी थीं, जबकि भाजपा सरकार ने एसडीआरएफ का गठन किया और औद्योगिक इकाइयों, एयरपोर्ट तथा मेट्रो की सुरक्षा के लिए स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स बनाई।

2017 में प्रदेश में केवल दो फॉरेंसिक लैब काम कर रही थीं। आज सभी 18 मंडलीय मुख्यालयों पर ए–ग्रेड फॉरेंसिक लैब स्थापित हैं। पुलिस की जमीन पर कब्जा करने वाले माफिया का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि अवैध कब्जा हटवाकर उसी भूमि पर विश्वस्तरीय यूपी पुलिस फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट स्थापित किया गया है, जहां डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं। नए आपराधिक कानूनों के तहत सात वर्ष से अधिक सजा वाले मामलों में फॉरेंसिक साक्ष्य महत्वपूर्ण हैं।

मुख्यमंत्री ने एनएसजी व यूपी पुलिस के क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया शुभारंभ

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहाकि आंतरिक सुरक्षा के मोर्चे पर केंद्र व राज्य सरकार की नीति स्पष्ट है। अब न अपराधियों को अभय, न आतंकियों को अवसर और न ही देश की सुरक्षा से कोई समझौता होता है। वैश्विक परिदृश्य में बदलती हुई चुनौतियों के कारण उनका मुकाबला करने के लिए साहस के साथ आधुनिक तकनीक, अचूक रणनीति, त्वरित निर्णय व टीमवर्क के साथ कार्रवाई करने की दक्षता अत्यंत आवश्यक है। एनएसजी व यूपी पुलिस का संयुक्त कार्यक्रम तैयारी की नई ६ ार, आपसी समन्वय को नई शक्ति व सुरक्षा व्यवस्था को नई मजबूती प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने बुधवार को पुलिस लाइन में एनएसजी व उत्तर प्रदेश पुलिस के व्यापक क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सीएम योगी ने कमांडोज द्वारा आतंकरोध ी अभियानों, वीआईपी सुरक्षा, बम



विस्फोट से बचाव समेत विभिन्न हैरतअंगेज प्रदर्शनों का भी अवलोकन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम नए भारत के उस संकल्प का प्रतीक है, जहां सुरक्षा बल हर चुनौती से दस कदम आगे रहने की तैयारी करते हैं। यह वीर जवानों का पराक्रम करोड़ों माताओं–बहनों के सम्मान की ढाल, भारत की संप्रभुता का कवच और देश की शांति–सुरक्षा को चुनौती देने का दुस्साहस करने वाले राष्ट्रविरोधी ताकतों के लिए काल है। देश को यूपी पुलिस व एटीएस के पराक्रम पर गर्व है। जब एनएसजी के मंच पर 16वीं ऑल इंडिया पुलिस स्टैंड अलोन स्नाइपर प्रतियोगिता में एटीएस कमांडो टीम के दो स्नाइपर अचूक निशाना लगाने के दम पर स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश का मान बढ़ाते हैं।

जब एटीएस महिला कमांडो टीम का गठन कर उन्हें स्पॉट का अभिन्न हिस्सा बनाती है तो केवल ऑपरेशनल कदम नहीं, बल्कि उस भारत की हुंकार है, बेटियां दुश्मन के छक्के छुड़ाने वाली रणचंडी के स्वरूप में दिखती हैं।

नीट पेपर लीक मामले में बड़ा एक्शन 14 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय

एजेंसी,नयी दिल्ली । दिल्ली की एक अदालत ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के प्रश्नपत्र लीक मामले में बुधवार को 14 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया। विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता ने



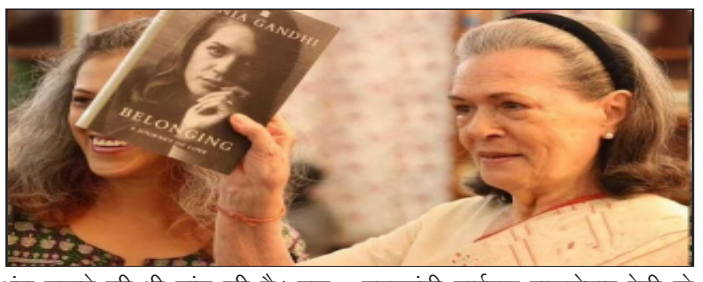
सभी आरोपियों को औपचारिक रूप से 21 नवंबर को अदालत में पेश करने का निर्देश दिया। अदालत ने आरोपियों के खिलाफ आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और साक्ष्य नष्ट करने समेत विभिन्न अपराधों के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया। इसके अलावा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम के प्रावधानों के तहत भी आरोप तय किए जाएंगे। अदालत ने सभी आरोपियों के खिलाफ कॉपीराइट अधिनियम की धारा 63 (कॉपीराइट का उल्लंघन) के तहत भी आरोप तय करने का आदेश दिया। न्यायाधीश ने कहा कि मामले की सुनवाई 25 नवंबर से प्रतिदिन के आधार पर शुरू की जाएगी। अदालत के विस्तृत आदेश की प्रतीक्षा है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने इससे पहले परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक और अन्य अनुचित साधनों के इस्तेमाल से जुड़े आपराधिक मामलों की सुनवाई करने वाली त्वरित अदालत में 13 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। जांच एजेंसी ने 14वें आरोपी शेषराव बजरंग सूर्यवंशी उर्फ राज सूर्यवंशी के खिलाफ पूरक आरोपपत्र भी दाखिल किया था।

नागरिकता से पहले सोनिया गांधी का वोटर लिस्ट में नाम, दिल्ली कोर्ट ने पुलिस से मांगी रिपोर्ट

एजेंसी,नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को पुलिस से उस शिकायत पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट (एटीआर) मांगी, जिसमें आरोप लगाया गया है कि कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी का नाम 1983 में उन्हें भारतीय नागरिकता मिलने से 3 साल पहले ही मतदाता सूची में शामिल कर लिया गया था। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट विनोद जोशी ने पुलिस से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी और मामले की अगली सुनवाई 28 नवंबर के लिए निर्धारित की। इस संबंध में अदालत का विस्तृत आदेश अभी उपलब्ध नहीं हुआ है। सितंबर में एक सत्र अदालत ने गांधी के खिलाफ लगे आरोपों की जांच का आदेश देने से इनकार करने के मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश को रद्द कर दिया था।

सोनिया गांधी की किताब पर सियासी संग्राम, शिवसेना ने बैन की मांग की, वाईआरएस कांग्रेस और बीआरएस भी नाराज

एजेंसी,मुंबई । कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की किताब बिलॉन्गिंगरू अ जर्नी ऑफ लव को लेकर राजनीतिक विवाद गहराता जा रहा है। बुधवार को शिवसेना ने किताब पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए मुंबई में विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान किताब के कुछ पन्ने फाड़कर अपना विरोध जताया। शिवसेना का आरोप है कि किताब में हिंदुत्व विचारक वीर सावरकर और मराठी अस्मिता का अपमान किया गया है। पार्टी ने प्रकाशक से विवादित



अंश हटाने की भी मांग की है। इस विवाद में अब अन्य राजनीतिक दल भी शामिल हो गए हैं। वाईएसआर कांग्रेस ने किताब में आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी के योगदान का उल्लेख नहीं किए जाने पर नाराजगी जताई है। वहीं, तेलंगाना की भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने आरोप लगाया है कि सोनिया गांधी ने अपनी किताब में तेलंगाना का जिक्र तक नहीं किया। इस तरह एक किताब के अलग–अलग अंशों को लेकर महाराष्ट्र से लेकर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना तक राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। सोनिया गांधी की यह किताब 10 नवंबर से बाजार में उपलब्ध हुई थी, जबकि इसका औपचारिक विमोचन 16 नवंबर को किया गया था। शिवसेना प्रवक्ता संजय निरुपम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वीर सावरकर को लेकर पहले भी देश में बड़ा राजनीतिक विवाद हो चुका है।

बरेली में गौकशी की तैयारी कर रहे पांच अपराधी पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

संवाददाता,बरेली। उत्तर प्रदेश के जनपद बरेली में बुधवार रात को पुलिस ने कथित तौर पर कौकशी की तैयारी कर रहे पांच आरोपियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान दो अपराधियों के पैरों में गोली लगी, जबकि तीन अन्य को मौके से गिरफ्तार किया गया। उनके पास से अवैध असलाह और गौकशी के उपकरण बरामद किए गए हैं। बरेली पुलिस के अनुसार, बुधवार रात को थाना मीरगंज पुलिस शांति व्यवस्था के दृष्टिगत गश्त कर रही थी। इस दौरान मुखबिर की ओर से सूचना दी गई कि कुछ बदमाश ग्राम लभारी



के जंगलों में गौकशी की घटना की फिराक में है।

सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बदमाशों की घेराबंदी कर गिरफ्तारी का प्रयास किया। बदमाशों की ओर से स्वयं को पुलिस से घिरता देख पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायर कर मौके से भागने का प्रयास किया गया। पुलिस टीम ने जवाबी आत्मरक्षार्थ की फायरिंग की, जिसमें दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए। घायल अपराधियों की पहचान बरेली के मीरगंज थाना क्षेत्र के निवासी नन्हे उर्फ मतिया और आसिफ कुरैशी के रूप में हुई। आसिफ कुरैशी वर्तमान में रामपुर के इस्लामनगर थाना क्षेत्र में रह रहा था।

काशी में जल्द गूंजेंगे चौके-छक्के : आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने गंजारी स्टेडियम का किया निरीक्षण, लोकार्पण और मैचों का रास्ता साफ

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। काशी और पूर्वांचल के क्रिकेट प्रेमियों का लंबा इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन जय शाह और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने बुधवार शाम रिंग रोड स्थित गंजारी में निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का गहन निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के साथ ही स्टेडियम के लोकार्पण और जल्द ही यहाँ क्रिकेट मुकाबलों के आयोजन पर मुहर लग गई है।

तैयारियों को परखा, दिए जरूरी निर्देश

बाबतपुर एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद जय शाह और राजीव शुक्ला सीधे गंजारी स्टेडियम पहुंचे। उन्होंने स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों और निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों के साथ स्टेडियम की तैयार पिचों, पवेलियन, वीआईपी गैलरी और दर्शक दीर्घा का जायजा लिया। स्टेडियम का लगभग 98 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बचे हुए फिनिशिंग



कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि लोकार्पण से पहले सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रहें।

दिसंबर में उद्घाटन और मैचों की तैयारी

स्टेडियम के निर्माण कार्य को अंतिम रूप दिए जाने के बाद अब इसके उद्घाटन की तैयारियां तेज हो गई हैं। सूत्रों के मुताबिक, आगामी 2 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस भव्य स्टेडियम का लोकार्पण किए जाने की संभावना है। इसके तुरंत बाद दिसंबर के पहले और दूसरे सप्ताह में यहाँ अंडर–19 कूच बिहार ट्रॉफी के मुकाबलों से क्रिकेट का आगाज होने की उम्मीद है। इससे वाराणसी में अंतरराष्ट्रीय और बड़े घरेलू मैचों के आयोजन को लेकर चल रही अटकलें भी साफ हो गई हैं।

काशी की संस्कृति की दिखेगी झलक

करीब 31 एकड़ क्षेत्र में 450 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा यह स्टेडियम पूरी तरह भगवान शिव और काशी की संस्कृति से प्रेरित है। इसमें 30 हजार दर्शकों के बैठने की क्षमता है। स्टेडियम की फ्लडलाइट्स को त्रिशूल के आकार में बनाया गया है, जबकि प्रवेश द्वार डमरू जैसा दिखता है। इसके अलावा, दर्शक दीर्घा को वाराणसी के गंगा घाटों की सीढ़ियों जैसा स्वरूप दिया गया है।



गंगा एक्सप्रेसवे पर कार पलटी, महिला की मौत, उन्नाव में बच्चे समेत तीन घायल परिवार गया से मथुरा जा रहा था



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। बुधवार दोपहर गंगा एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार क्रेटा कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एक महिला की मौत हो गई और बच्चे समेत तीन लोग घायल हुए। कार में एक ही परिवार के लोग सवार थे। एंबुलेंस से घायलों को उन्नाव जिला अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर बताई है। हालत में सुधार नहीं होने पर उन्हें कानपुर भेजा जा सकता है। बता दे कि जानकारी के मुताबिक, बिहार के गया जिले के कोतवाली क्षेत्र स्थित विश्व बिहार निवासी सुजीत परिवार के साथ कार से गया से मथुरा जा रहे थे। बुधवार दोपहर करीब 2रू20 बजे आसीवन थाना क्षेत्र में एक्सप्रेसवे के 395 किलोमीटर के पास कार पलट गई। एक्सप्रेसवे से गुजर रहे लोगों ने पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। हादसे में सुजीत पुत्र अज्ञात, अनिरुद्ध पुत्र ब्रह्म आसरे और समृद्धि पुत्री सुजीत घायल हुए। सुजीत की पत्नी मीनाक्षी की मौत हो गई। घायलों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस हादसे की जानकारी जुटा रही है और कार के पलटने के कारणों का पता लगा रही है।

17वीं डा. सुखदेव प्रसाद गुप्ता अंडर-16 जनपदीय क्रिकेट लीग में यूथ क्लब ने शास्त्री क्लब को 3 विकेट से हराया

देवा सिंह के शानदार प्रदर्शन के लिए मिला मैन ऑफ द मैच



उन्नाव। जिला क्रिकेट एसोसिएशन, उन्नाव द्वारा आयोजित 17वीं डॉ. सुखदेव प्रसाद गुप्ता अंडर–16 जनपदीय क्रिकेट लीग के अंतर्गत आज एसआरएमएस क्रिकेट ग्राउंड आशा खेड़ा नवाबगंज उन्नाव पर यूथ क्लब एवं शास्त्री क्लब के मध्य मुकाबला खेला गया।।मैच में टॉस जीतकर यूथ क्लब ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए शास्त्री क्लब की टीम निर्धारित ओवरों से पहले 91 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। जिसमें युवराज उपाध्याय ने 24 तथा हंसराज व प्रांजल यादव ने 15–15 रनों का योगदान दिया।यूथ क्लब की ओर से गेंदबाजों ने अनुशासित गेंदबाजी करते हुए विपक्षी टीम को बड़ा स्कोर बनाने से रोके रखा। यूथ क्लब की ओर से गेंदबाजी करते हुए आजाद रावत ने तीन तथा सौरभ यादव और देव सिंह ने दो–दो विकेट प्राप्त किए।लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूथ क्लब की टीम ने संघर्षपूर्ण मुकाबले में 7 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और 3 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। जिसमें आदित्य प्रकाश ने 31 अभी रात में 19 तथा रुद्र प्रताप सिंह ने नाबाद 16 रनों का योगदान दिया। मैच के पूर्व एसआरएमएस इंजीनियरिंग बिजनेस कॉलेज के डीन डॉ तरुण सिंह गंगवार ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन कियामैच में शानदार गेंदबाजी करने वाले देवा सिंह को उनके बेहतरीन प्रदर्शन (4 ओवर, 12 रन, 2 विकेट) के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जिला क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष नवीन सिंह तथा राकेश कुमार अस्थाना ने दिया इस अवसर पर मुख्य रूप से साकिर हुसैन संयुक्त सचिव राजेश कुमार, प्रशिक्षक नाजिम अली तथा सुधीर आदि लोग मौजूद रहे उक्त जानकारी जिला क्रिकेट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष तथा प्रतियोगिता मंत्री ओम मिश्रा ने दी।

एसपी अंकुर अग्रवाल ने देर रात चलाई तबादला एक्सप्रेस पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल

आठ थाना प्रभारियों के कार्यक्षेत्र बदले राजेश पाठक बने शहर कोतवाल तो स्वाति चतुर्वेदी को महिला थाने की कमान।

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने देर रात पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल करते हुए तबादला आदेश जारी किया। इस फेरबदल के तहत जिले के आठ थाना प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। अचानक हुए इस प्रशासनिक फेरबदल से पुलिस महकमे में हलचल मच गई। जारी तबादला सूची के अनुसार राजेश पाठक को शहर



कोतवाली की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं स्वाति चतुर्वेदी को महिला थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा छह अन्य थाना प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में भी बदलाव किया गया है।

एसपी के इस आदेश के बाद संबंधित अधिकारियों को नवीन तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत,दो युवक घायल

अमेठी,संवाददाता। अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार 50 वर्षीय रामशरण की मौत हो गई। हादसे में दो युवक घायल हुए हैं। उनका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह हादसा गौरीगंज थाना क्षेत्र में रामगंज कौहार गांव के पास गौरीगंज–मुसाफिरखाना सड़क पर रात करीब 10रू15 बजे हुआ। रामशरण, शुभरति के बेटे थे और चिलबिली गांव के रहने वाले थे। हादसे में जितेंद्र कुमार (26) और विक्रम (करीब 23) घायल हुए। जितेंद्र, रामकुमार के बेटे हैं। विक्रम, हरिश्चंद्र के बेटे हैं। दोनों किटियावा गांव के रहने वाले हैं। टक्कर के बाद अज्ञात वाहन का चालक मौके से भाग गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल गौरीगंज में भर्ती कराया। पुलिस ने रामशरण का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाली प्रभारी रवी सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में आसपास के सीसीटीवी कैमरे भी देख रही है।

शिक्षकों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन, पुरानी पेंशन बहाली की मांग

टीईटी अनिवार्यता, पदोन्नति, वेतन विसंगति और स्थानांतरण की समस्याओं के समाधान की उठाई आवाज



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भेजा है। इसमें पुरानी पेंशन बहाली, शिक्षक भर्ती के नियमों में बदलाव और टीईटी की अनिवार्यता से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया है। संघ ने सुप्रीम कोर्ट के टीईटी संबंधी आदेश से प्रभावित शिक्षकों को राहत देने की मांग की है। साथ ही टीईटी अनिवार्यता के आदेश को पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू नहीं करने की अपील की है। शिक्षक भर्ती में टीईटी और बीएड से जुड़े नियमों पर भी पुनर्विचार करने की मांग रखी गई है। ज्ञापन में शिक्षकों की पदोन्नति में आ रही दिक्कतों, वेतन विसंगतियों और स्थानांतरण से जुड़ी समस्याओं का भी उल्लेख किया गया है। संघ ने मुख्यमंत्री से इन सभी मांगों पर गंभीरता से विचार कर जल्द समाधान कराने की अपील की है। संघ का कहना है कि शिक्षकों की लंबित समस्याओं का निराकरण होने से उन्हें राहत मिलेगी और शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने में भी मदद मिलेगी।

प्रसूता की मौत के मामले में जीवन हॉस्पिटल के प्रबंधक और पैरामेडिकल स्टाफ के खिलाफ एफआईआर दर्ज

जिलाधिकारी के निर्देश पर गठित जांच कमेटी की रिपोर्ट के बाद रामकोट थाने में हुई कार्रवाई, 26 अक्टूबर को उपचार के दौरान हुई थी प्रसूता की मौत.

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। शहर के शाहजहांपुर रोड स्थित मोदीनगर काशीराम कॉलोनी के निकट संचालित निजी चिकित्सालय जीवन हॉस्पिटल में प्रसूता की मौत के मामले में रामकोट पुलिस ने अस्पताल प्रबंधन और पैरामेडिकल स्टाफ के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने 17 नवंबर 2026 को मुकदमा अपराध संख्या 0315 दर्ज किया है। मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 106(1) के तहत कार्रवाई की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 26 अक्टूबर 2026 को प्रसूता रिंकी शर्मा पत्नी रिंकू निवासी मैगलगंज जनपद सीतापुर की जीवन हॉस्पिटल में उपचार के बाद मौत हो गई थी। इस घटना को लेकर चिकित्सकीय लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल प्रबंधन के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी सीतापुर के आदेश संख्या जी0अधि0/जांच0 2026–27/6619 दिनांक 27 अक्टूबर 2026 के माध्यम से जांच कमेटी का गठन किया गया था। जांच कमेटी में डॉ. अमिता त्रिपाठी स्त्री रोग विशेषज्ञ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिधौली डॉ. इमरान अली उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी सीतापुर तथा जनार्दन उपजिलाधिकारी सीतापुर को नामित किया गया था।



जांच कमेटी ने प्रकरण की जांच कर अपनी आख्या प्रस्तुत की। एफआईआर में दर्ज तहरीर के अनुसार जांच में चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ की लापरवाही के कारण प्रसूता की मृत्यु होने की बात सामने आई। इसके बाद संबंधित चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने की मांग की गई।

रामकोट थाने में 17 नवंबर 2026 को दोपहर 3रू20 बजे एफआईआर दर्ज की गई। मुकदमे में डॉ. मोहम्मद तौफीक पुत्र रहमत अली निवासी 311 पक्का बाग शेख सराय सीतापुर तथा संबंधित पैरामेडिकल स्टाफ के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की गई है।

जांच रिपोर्ट के आधार पर दर्ज हुआ मुकदमा

एफआईआर के अनुसार जिलाधिकारी के आदेश और जांच कमेटी की आख्या को भी प्रार्थना पत्र के साथ संलग्न किया गया है। पुलिस ने मामले को दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

अब जांच के दौरान चिकित्सकीय लापरवाही और प्रसूता की मौत से जुड़े तथ्यों की पड़ताल की जाएगी।

स्लाटर हाउस की जमीन पर कब्जा नगर निगम ने खाली कराई

आगरा,संवाददाता। वार्ड 81 के सैय्यद पाड़ा में नगर निगम ने सरकारी जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराया। यहां सामुदायिक भवन के लिए चिन्हित नगर निगम के निष्क्रिय स्लाटर हाउस परिसर पर कुछ लोगों ने कब्जा कर रखा था। परिसर में असामाजिक गतिविधियां संचालित होने की शिकायत भी मिली थी। नगर निगम की प्रवर्तन टीम ने मौके पर पहुंचकर कब्जा हटवाया और स्लाटर हाउस के मुख्य गेट पर ताला लगा दिया। क्षेत्रीय पार्षद अमित सिंह पटेल ने इस संबंध में नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य से शिकायत की थी। उन्होंने निष्क्रिय स्लाटर हाउस की सरकारी जमीन पर मोहल्ले के लोगों की सुविधा के लिए सामुदायिक भवन बनाने का प्रस्ताव भी दिया था। नगर निगम प्रशासन ने प्रस्ताव पर कार्रवाई करते हुए निर्माण की फाइल तैयार कर ली है। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

सामुदायिक भवन निर्माण का रास्ता साफ करने के लिए नगर निगम ने पहले जमीन को कब्जामुक्त कराया। प्रवर्तन दल ने मौके पर पहुंचकर परिसर खाली कराया और भवन के मुख्य गेट पर ताला लगवा दिया, ताकि दोबारा अवैध कब्जा न हो सके। इस जमीन पर सामुदायिक भवन बनने से मोहल्ले के लोगों को सार्वजनिक कार्यक्रमों और सामाजिक आयोजनों के लिए जगह मिल सकेगी। इसी क्षेत्र में सार्वजनिक रास्ते पर पशुओं का बाड़ा संचालित कर गोबर और गंदगी फैलाने की शिकायत भी मिली थी। पार्षद अमित सिंह पटेल के अनुसार, रसीद पुत्र रईसुद्दीन द्वारा पशुओं का बाड़ा संचालित किया जा रहा है। पशुओं का गोबर और अन्य गंदगी सड़क पर डालने से रास्ता बाधित हो रहा था। नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर गंदगी हटवाई और भविष्य में सार्वजनिक मार्ग पर गोबर या कचरा नहीं डालने की चेतावनी दी। निगम की कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने विरोध भी किया, लेकिन प्रवर्तन दल ने कार्रवाई जारी रखी। दोनों मामलों में नगर निगम की सख्ती से क्षेत्र में अवैध कब्जा करने और सार्वजनिक रास्ते पर गंदगी फैलाने वालों में हड़कंप रहा। नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य ने कहा कि सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे और सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जामुक्त कर जनहित में उपयोग करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। सार्वजनिक रास्तों पर गंदगी फैलाने और आवागमन बाधित करने वालों के खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

डिवाइडर के बीच व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप मचा

आगरा,संवाददाता। सिकंदरा थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह डिवाइडर के बीच एक व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप मच गया।

बाबूजी चौराहे के पास पाराशर गार्डन के सामने शव पड़ा था। सुबह टहलने निकले लोगों ने इसे देखकर पुलिस को सूचना दी। शव करीब 1–2 दिन पुराना बताया जा रहा है। उससे दुर्गंध आ रही थी। शव मिलने की जानकारी पर मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने पहुंचकर भीड़ को हटाया और शव को कब्जे में लिया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, मृतक घटना स्थल के पास सड़क पर पान मसाले की दुकान लगाता था। वह रोज इस इलाके में आता–जाता था, लेकिन पिछले दो दिन से दिखाई नहीं दिया था। पुलिस उसके परिजनों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एसएन मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि व्यक्ति की मौत कैसे हुई। पुलिस हत्या और हादसे समेत सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी।

पीके 11 ने आरबीएस को नौ विकेट से हराया, ताज एकेडमी छह विकेट से जीती

आगरा,संवाददाता। आगरा में सिकंदरा स्थित डॉक्टर अजीत सिंह क्रिकेट ग्राउंड पर बुधवार को दो रोमांचक टी–20 मुकाबले खेले गए। पहले मैच में पीके 11 एकेडमी ने आरबीएस को 9 विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरबीएस की टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 127 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पीके एकेडमी ने 13.3 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर जीत हासिल कर ली। शांत यादव ने 65 और सुमित ने 45 रन बनाए। शानदार प्रदर्शन के लिए सुमित को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरे मुकाबले में ताज एकेडमी ने जेपी क्रिकेट एकेडमी को 6 विकेट से हराया। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए ताज ने जेपी को 15.2 ओवर में 126 रन पर समेट दिया।

खाद की किल्लत पर किसान दिवस में हंगामा

उरई/जालौन,संवाददाता। जालौन में रबी फसलों की बुवाई के पीक सीजन में खाद की किल्लत और वितरण व्यवस्था को लेकर किसानों की परेशानी बढ़ रही है। कहीं खाद के लिए लंबी कतारें लग रही हैं तो कहीं निजी दुकानों पर निर्धारित कीमत से अधिक वसूली की शिकायतें सामने आ रही हैं। बुधवार दोपहर 12 बजे विकास भवन उरई में हुई किसान दिवस की बैठक में खाद का मुद्दा प्रमुखता से उठा। किसानों और किसान संगठनों के प्रतिनिधियों ने अधिकारियों के सामने खाद वितरण, बिजली, नहर और अन्ना मवेशियों की समस्याएं रखीं।

भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव राजवीर सिंह जादौन ने कहा कि रबी की बुवाई का पीक सीजन चल रहा है, लेकिन किसानों को खाद के लिए परेशान होना पड़ रहा है। अधिकारियों का कहना है कि गोदामों में पर्याप्त खाद उपलब्ध है और कोई कमी नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब किसान नकद भुगतान करने को तैयार हैं और गोदामों में खाद मौजूद है तो वह किसानों तक क्यों नहीं पहुंच रही है। राजवीर सिंह जादौन ने कहा कि सरकारी बिक्री केंद्रों पर वितरण प्रभावित होने से निजी दुकानदारों को मनमानी और कालाबाजारी का मौका मिल रहा है।

उन्होंने आशंका जताई कि सरकारी केंद्रों की व्यवस्था प्रभावित कर निजी दुकानों पर खाद की कालाबाजारी को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों से प्रभावी छापेमारी कराने की मांग की। भाकियू महासचिव ने कहा कि अधिकारी किसानों से शिकायत करने के लिए कहते हैं, जबकि प्रशासन के पास कर्मचारियों का बड़ा अमला है।

कर्मचारियों को किसान बनाकर दुकानों पर भेजा जाए। अगर कोई दुकानदार 1750 रुपये की खाद निर्धारित कीमत से अधिक पर बेचने की कोशिश करता है तो स्थिति सामने आ जाएगी। उन्होंने अन्ना मवेशियों की समस्या भी उठाई। उनका कहना था कि जिले में करीब 250 गौशालाएं होने के बावजूद उरई और आसपास की सड़कों पर छुट्टा जानवर घूम रहे हैं।

उन्होंने कुछ गौशालाओं में 100 जानवर होने के बावजूद 50 दिखाकर बंद कराने और पशुओं को छुट्टा छोड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि समस्या सरकार की मंशा में नहीं, बल्कि स्थानीय प्रबंधन और अधिकारियों की कार्यप्रणाली में है। सीडीओ केके सिंह ने कहा कि किसान दिवस में किसानों की समस्याएं सुनकर उनका बिंदुवार निस्तारण कराया जाता है।

भाजपा को 2027 में जनता वोट से जवाब देगी : शब्बीर अब्बास

आगरा,संवाददाता। आगरा के जीआईसी मैदान में 15 नवंबर को हुए दलित महासम्मेलन के बाद सपा ने भाजपा और जिला प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। सपा महानगर अध्यक्ष शब्बीर अब्बास ने आरोप लगाया कि सम्मेलन में आने वाले लोगों को रास्ते में रोका गया, कई जगह आवागमन में बाधाएं डाली गईं और प्रचार के लिए लगाए गए पोस्टर–बैनर फाड़े गए। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं से जुड़े वीडियो पार्टी के पास सुरक्षित हैं और जरूरत पड़ने पर उन्हें सार्वजनिक किया जाएगा। फतेहाबाद रोड स्थित जिला समाजवादी पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में शब्बीर अब्बास ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आगरा आगमन और सम्मेलन की तैयारियों के लिए कार्यकर्ताओं ने करीब दो महीने तक मेहनत की थी। महानगर के वार्डों, गलियों और दलित बस्तियों में जनसंपर्क किया गया। बाइक रैलियां निकाली गईं और घर–घर जाकर लोगों को आमंत्रित किया गया। शब्बीर अब्बास ने बताया कि सम्मेलन में एक लाख से अधिक लोगों की भागीदारी का लक्ष्य रखा गया था। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलग–अलग जिलों से लोगों को जोड़ने के लिए अभियान चलाया गया। उन्होंने सांसद रामजी लाल सुमन के नेतृत्व और पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रयासों को सम्मेलन की तैयारियों का प्रमुख हिस्सा बताया।

सपा महानगर अध्यक्ष ने कहा कि सम्मेलन में पहुंचने वाले लोगों को कई स्थानों पर परेशानी हुई। कुछ जगह रास्तों में बाधाएं डाली गईं। प्रचार के लिए लगाए गए पोस्टर और बैनर भी फाड़े गए। उन्होंने सवाल उठाया कि राजनीतिक कार्यक्रम का प्रचार करना गलत नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारे पोस्टर–बैनर कई जगह से 6 घंटे में हटा दिए गए। यदि किसी सामग्री पर आपत्ति थी तो नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती थी। पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। अब्बास ने अखिलेश यादव के आगमन के दौरान सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा जरूरी है, लेकिन इसके नाम पर पार्टी कार्यकर्ताओं और आम लोगों को परेशानी नहीं होनी चाहिए थी। पुलिस और प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल की जरूरत थी। उन्होंने शहर की सफाई व्यवस्था पर भी नाराजगी जताई। कहा कि इतने बड़े आयोजन के दौरान सड़कों पर जगह–जगह कूड़े के ढेर दिखाई दिए। स्मार्ट सिटी के दावों के बावजूद बुनियादी सुविधाओं की स्थिति पर ध्यान देने की जरूरत है। शब्बीर अब्बास ने भाजपा नेताओं से महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, दलितों पर अत्याचार और आरक्षण जैसे मुद्दों पर जवाब देने की बात कही। उन्होंने कहा कि दलित महासम्मेलन केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि दलित समाज के सम्मान, अधिकार और भागीदारी की आवाज था। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में पीडीए की एकजुटता मजबूत होगी। समाजवादी पार्टी संविधान, आरक्षण और सामाजिक न्याय की लड़ाई जारी रखेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि सम्मेलन से जुड़ी घटनाओं के वीडियो और अन्य साक्ष्य जरूरत पड़ने पर उचित मंच पर रखे जाएंगे। वर्ष 2027 में जनता अपने वोट की ताकत से जवाब देगी।

वोट के लिए जनता को सिर्फ गुमराह करती है सपा-कांग्रेस : ब्रजेश पाठक

- उप मुख्यमंत्री का इंडी गठबंधन पर तीखा हमला
- कहा - सपा प्रमुख प्रभु श्री राम से मांगे माफी



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

बरेलीध्लखनऊ। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बुधवार को बरेली में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने कहा कि वोट के लिए सपा, कांग्रेस एवं इंडी गठबंधन जनता को गुमराह करने का काम करते हैं।

इन दलों की राजनीति का केंद्र जनकल्याण नहीं, बल्कि सत्ता और वोट की चिंता रही है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग कभी रोजा इफ्तार के आयोजनों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने को लेकर उत्साहित रहते थे, आज वही प्रभु श्रीराम के दर्शन करने की बात कर रहे हैं। प्रभु श्रीराम सबके हैं और तीनों लोकों के स्वामी हैं। वे करुणा और क्षमा के सागर हैं। सपा प्रमुख को प्रभु श्री राम से माफी मांगनी चाहिए। केवल दिखावे से नहीं, बल्कि सच्चे भाव, श्रद्धा और आचरण से अपनी आस्था प्रकट करनी चाहिए।

राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ बढ़ रहे आगे

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास और राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। हमारा लक्ष्य विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश का निर्माण करना है। उप मुख्यमंत्री ने प्रदेश की कानून–व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश में गुंडे और माफिया के लिए कोई जगह नहीं है। समाजवादी पार्टी की सरकार के समय प्रदेश में अपराध और माफिया का बोलबाला था। उस दौर में एक जिला, एक माफिया जैसी स्थिति बन गई थी। भाजपा सरकार ने अपराधियों और माफिया के खिलाफ कठोर कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेजने का काम किया है।

जाति और धर्म के आधार पर देश को बांटते हैं सपा–कांग्रेस

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की राजनीति का मूल आधार राष्ट्र प्रथम, जनसेवा और सबका साथ, सबका विकास है। समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और उनके सहयोगी दलों पर उन्होंने जाति एवं धर्म के आधार पर समाज को बांटने तथा तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जनता अब विकास, सुशासन और राष्ट्रहित की राजनीति को प्राथमिकता दे रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए हम सभी निरंतर कार्य कर रहे हैं।

मिनिस्टीरियल एसोसिएशन का 15 सूत्रीय मांगों को लेकर धरना

लखनऊ। मिनिस्टीरियल एसोसिएशन इरिगेशन डिपार्टमेन्ट उत्तर प्रदेश के बैनर तले 15 सूत्रीय मांगों को लेकर कार्यालय प्रमुख अभियन्ता सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग उ.प्र. लखनऊ के गेट न. 02 पर धरना दिया गया। धरने की अध्यक्षता कृतार्थ सिंह प्रान्तीय अध्यक्ष द्वारा किया गया तथा संचालन गोबर्धन सिंह महामंत्री एवं प्रभुदयाल श्रीवास्तव द्वारा किया गया। धरने में पूरे प्रदेश से हजारों कर्मचारियों ने भाग लिया।

धरने को सम्बोधित करते हुए सर्वश्री जगदीष सिंह पाल, अजय कुमार यादव, चौधरी सूखवीर सिंह, सन्त कुमार सिंह, सतयुगी सिंह, मो.हसन परवेज, अमर गुप्ता, रामचन्द्र गुप्ता, मो. सकील, विनोद कुमार सचान, अलकेश कुमार मिश्रा, नीरज कुमार भटनागर, दिनेश कुमार भटनागर, विमल कुमार, षिव कुमार, सन्दीप षर्मा, कृश्ण कुमार, संजीव कुमार श्रीवास्तव, अषीश कुमार गंगवार, अंकुष रस्तोगी, श्यामबरन पाल, बृजमोहन, नन्दू चौहान, परमराज गौतम, अनवार अहमद, पुनीत चोपड़ा, सन्तोश कुमार वर्मा, रामआनन्द सोनकर, अमित कुमार, अनुपम कुमार दूबे, उमपति मिश्रा, चमन लाल भारती, देवराज, सुरेन्द्र कुमार सैनी, सन्तोश कुमार तिवारी, देवेन्द्र निरंजन, राकेश कुमार, शैलेन्द्र कुमार, केदार सिंह, प्रशान्त दीक्षित, अजीत कुमार पाण्डे, प्रवीन सक्सेना, आदि ने अपने सम्बोधन में कहा कि विभाग की लापरवाही के कारण कर्मचारियों की प्रोन्नति सहित अन्य मांगे जो नियमानुसार है में कार्यवाही न कर कर्मचारियों के उत्पीड़न का कार्य किया जा रहा है। अजय सिंह मुख्य संरक्षक एवं सलाहकार ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रदेश के सभी प्रकार के कर्मचारियों की प्रोन्नति के उपरान्त ही प्रोन्नति वेतन का लाभ मिल जाता है, परन्तु विभागीय अधिकारियों की लापरवाही की वजह से खण्डीय सम्वर्ग के प्रोन्नति प्राप्त लिपिकों को पदस्थापना के उपरान्त वेतन का लाभ दिया जाता है जो नियम विरूद्ध है। कर्मचारियों की प्रोन्नति न होने के कारण प्रोन्नति वेतन का लाभ नही मिल पा रहा है जबकि मुख्यमंत्री द्वारा समय–समय पर प्रोन्नति हेतु निर्देष भी जारी किए जाते है। अन्त में श्री कृतार्थ सिंह प्रदेष अध्यक्ष द्वारा सभा को सम्बोधित करते हुए बताया कि विभागीय अधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री के निर्देशों का पालन नही किया जाता है और ना, ही मुख्यमंत्री की जीरों टालरेन्स नीति के अनुसार कार्य किया जाता है। कृतार्थ सिंह ने बारी–बारी से समस्त बिन्दुओं पर विस्तार से सम्बोधन किया। सम्बोधन के अन्त में कहा की अधिकारियों की यही कार्यशैली रही तो भविष्य के कार्यक्रम जल्दी निर्धारित किये जाऐंगें।

डोर-टू-डोर जाकर माफी मांगें अखिलेश, तब भी जनता माफ नहीं करेगी : पंकज चौधरी

- रथयात्रा और नारों से नहीं छिपेंगे सपा के पुराने कारनामे :पंकज चौधरी
- प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, सपा के अहंकार और नाकामियों का हिसाब मांग रही यूपी की जनता

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखनऊ । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री श्री पंकज चौधरी ने गोरखपुर में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के रोड शो को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव डोर–टू–डोर जाकर माफी भी मांग लें, तब भी जनता सपा सरकार के पुराने कारनामों को माफ नहीं करेगी। रथयात्रा निकालने, नारे लगाने और रोड शो करने से सपा अपने शासनकाल के कारनामों से जनता का ध्यान नहीं भटका सकती। अखिलेश यादव को राजनीतिक दिखावे के बजाय अपने शासनकाल में हुई घटनाओं और जनता के साथ किए गए अन्याय के लिए जवाब देना चाहिए।उन्होंने कहा कि सपा शासनकाल में अपराधियों और गुंडों के डर से माताओं–बहनों को अपने ही घरों में कैद रहने के लिए मजबूर होना पड़ा था। महिलाओं ने भय के माहौल में अपने सपनों और आकांक्षाओं को दबाया था। प्रदेश की जनता उस दौर को भूली नहीं है।

श्री चौधरी कहा कि गाजियाबाद से गोरखपुर तक कितनी भी शोबाजी कर ली जाए, कितने भी नारे लगा लिए जाएं और वैनिटी वैन पर सवार होकर कितने भी चक्कर लगा लिए जाएं, इससे सपा के प्रति जनता का नजरिया नहीं बदलने वाला। राजनीतिक यात्राओं और आयोजनों से शासनकाल की जवाबदेही खत्म नहीं हो जाती।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश सपा के अहंकार, परिवारवाद, तुष्टिकरण, भ्रष्टाचार और नाकामियों का पूरा हिसाब जानता है। जातिवादी राजनीति को बढ़ावा देना, अपराधियों को संरक्षण देने की परंपरा और विकास के नाम पर खोखले दावे करना सपा की राजनीति के वे पहलू हैं, जिन्हें प्रदेश की जनता आज भी याद रखती है।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक यात्राएं निकालने से सपा अपने पुराने शासनकाल के सवालों से बच नहीं सकती। जनता को नारों और मंचों से ज्यादा सुरक्षा, सम्मान और विकास से जुड़े सवालों के जवाब चाहिए। अखिलेश को यह समझना होगा कि केवल राजनीतिक आयोजन करने से पुराना रिकॉर्ड नहीं बदल जाता।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता सब देख रही है और सपा के राजनीतिक दिखावे तथा उसके शासनकाल के कारनामों के बीच अंतर भी समझती है। जनता के सामने सपा का अतीत और उसका राजनीतिक आचरण दोनों मौजूद हैं।

यू पी ब्लाइंड फुटबॉल एसोसिएशन के ट्रेनिंग कैंप एवं टीम सिलेक्शन शिविर का शुभारंभ

लखनऊ। यू पी ब्लाइंड फुटबॉल एसोसिएशन के तीन दिवसीय ट्रेनिंग कैंप एवं टीम सिलेक्शन शिविर का शुभारंभ, मुख्य अतिथि मा. पवन सिंह चौहान एमएलसी द्वारा मोती महल मैदान में, किया गया। सभा की अध्यक्षता इं दिवाकर राय, अध्यक्ष यू पी ब्लाइंड फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा किया गया।

इं दिवाकर राय, अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश ब्लाइंड फुटबॉल एसोसिएशन ने बताया कि इस अवसर पर इं हरि किशोर तिवारी, प्रांतीय अध्यक्ष राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद विशिष्ट अतिथि के रूप में, इं एसपी मिश्रा जी पूर्व अध्यक्ष तथा एच एन मिश्रा जी वर्तमान अध्यक्ष उ प्र डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ, इं श्रवण कुमार यादव वरिष्ठ उपाध्यक्ष, लोनिवि,इं बलवंत प्रसाद, महासचिव तथा इं विजय कुमार सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष वार्डे, इं डी पी सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं डा. ए डब्लू सिद्दीकी सचिव सहित उ प्र ब्लाइंड फुटबॉल एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारीयों की गरिमामयी उपस्थिति रही। 2024 में यू पी ब्लाइंड फुटबॉल ऐसोसिएशन की स्थापना के बाद, मोबिलिटी इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से, तीसरी बार ट्रेनिंग कैंप का आयोजन हो रहा है। यू पी ब्लाइंड फुटबॉल एसोसिएशन के बच्चों ने अभी जापान में संपन्न पैरा ओलंपिक एसीयाड में, देश का प्रतिनिधित्व किया है तथा अपने नैसर्गिक खेल से अपने प्रदेश का नाम रोशन किया है तथा इस कैंप में भी सहभागिता कर रहे हैं। शिविर में मा. पवन सिंह एमएलसी जी ने, अपने संबोधन द्वारा बच्चों का उत्साहवर्धन किया तथा हर स्तर पर सहयोग एवं उ प्र ब्लाइंड फुटबॉल एसोसिएशन के साथ साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का आश्वासन दिया। सभा का संचालन एवं एसोसिएशन के इतिहास एवं गतिविधियों की जानकारी, डा. ए डब्लू सिद्दीकी सचिव द्वारा दिया गया तथा बच्चों के खेलकूद की बारीकियों, संघर्ष एवं धैर्य की सराहना करते हुए, इं दिवाकर राय अध्यक्ष उ प्र ब्लाइंड फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा समापन किया गया। इससे पहले आज सुबह में, संघ भवन में बच्चों को उनकी जर्सी वितरित की गई। ट्रेनिंग कैंप अगले दो दिनों तक चलेगा।

प्रदेश में लागू हो एकमुश्त समाधान एवं ब्याज माफी योजना : उपभोक्ता परिषद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं पर करीब 85 हजार करोड़ रुपये का भारी बकाया है। इस बड़ी धनराशि की वसूली और उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने प्रदेशव्यापी एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) और ब्याज माफी योजना लागू करने की मांग की है।

परिषद के अध्यक्ष एवं राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि सितंबर 2026 तक प्रदेश की बिजली कंपनियों में करीब 40.80 लाख श्नेवर पेडश उपभोक्ताओं पर 27,539 करोड़ रुपये बकाया हैं। इसके अलावा, लगभग 52.20 लाख श्लॉन्ग अनपेडश उपभोक्ताओं पर 35,801 करोड़ रुपये की देनदारी है। उन्होंने कहा कि ओटीएस और ब्याज माफी योजना से बकायेदार उपभोक्ता अपना बिल जमा करने के लिए आगे आएंगे, जिससे बिजली कंपनियों की राजस्व वसूली को भी गति मिलेगी।

अवधेश कुमार वर्मा ने सुझाव दिया कि समय पर नियमित बिल भुगतान करने वाले ईमानदार उपभोक्ताओं के लिए भी पावर कॉरपोरेशन को विशेष प्रोत्साहन या आर्थिक लाभ की व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि उन्हें भी सम्मान मिल सके।

संघर्ष समिति ने राज्य मंत्री, लोकसभा सांसद और विधायकों को सौंपे ज्ञापन

लखनऊ । विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के आह्वान पर बिजली कर्मियों पर की गई उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां वापस कराने की मांग को लेकर 16 नवंबर से प्रदेशव्यापी 'ज्ञापन दो अभियान' लगातार जारी है। अभियान के तीसरे दिन आज प्रदेश के विभिन्न जनपदों में प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री, लोकसभा सांसद, विधायकों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपकर इस मामले में प्रभावी हस्तक्षेप करने की मांग की गई।

संघर्ष समिति के केंद्रीय पदाधिकारियों ने बताया कि मार्च 2023 के आंदोलन के बाद ऊर्जा मंत्री श्री अरविंद कुमार शर्मा जी के साथ हुए समझौते तथा ऊर्जा मंत्री द्वारा तत्कालीन पावर कॉरपोरेशन अध्यक्ष को उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां वापस लेने के लिए दिए गए निर्देशों के बावजूद आज तक ये कार्यवाहियां वापस नहीं ली गई हैं। इसी प्रकार दक्षिणांचल एवं पूर्वांचल विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण के विरोध में शांतिपूर्ण आंदोलन करने के दौरान बिजली कर्मियों पर की गई उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां भी अब तक जारी हैं।

संघर्ष समिति ने जनप्रतिनिधियों को सौंपे गए ज्ञापन में मांग की है कि वे इस गंभीर विषय पर प्रदेश सरकार का ध्यान आकृष्ट कर प्रभावी हस्तक्षेप करें, जिससे मार्च 2023 के सांकेतिक आंदोलन तथा निजीकरण विरोधी आंदोलन के दौरान बिजली कर्मियों पर की गई समस्त उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां ऊर्जा मंत्री के साथ हुए समझौते और उनके स्पष्ट निर्देशों के अनुरूप तत्काल वापस कराई जा सकें।संघर्ष समिति ने कहा कि बिजली कर्मियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व पर पूरा विश्वास है। बिजली कर्मचारी प्रदेश की विद्युत व्यवस्था में निरंतर सुधार करने और उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रहे हैं। महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कर बिजली कर्मियों ने ऐसा उत्कृष्ट कार्य किया, जिसकी सराहना देश–विदेश में हुई और इससे उत्तर प्रदेश का गौरव बढ़ा। संघर्ष समिति ने कहा कि बिजली कर्मचारी आज भी प्रदेश की विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण और निर्बाध बिजली आपूर्ति देने के लिए पूरी निष्ठा से जुटे हुए हैं। इसके बावजूद ऊर्जा मंत्री के साथ हुए समझौते को लगभग साढ़े तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां वापस न होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। देश में शायद ही ऐसा कोई दूसरा उदाहरण हो, जहां सरकार के स्तर पर हुए समझौते और स्पष्ट निर्देशों के बावजूद इतनी लंबी अवधि तक उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां लंबित रखी गई हों। इससे बिजली कर्मचारियों में गहरी पीड़ा और आक्रोश व्याप्त है।संघर्ष समिति ने स्पष्ट कहा कि बिजली कर्मियों पर की गई सभी उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां तत्काल वापस ली जानी चाहिए। इससे कर्मचारियों में विश्वास और उत्साह का वातावरण बनेगा तथा वे और अधिक ऊर्जा एवं प्रतिबद्धता के साथ विद्युत व्यवस्था के सुधार में योगदान दे सकेंगे। इसका सीधा लाभ प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को मिलेगा और उत्तर प्रदेश की प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी।

उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां वापस लेने के लिए जनप्रतिनिधियों को सौंपे ज्ञापन

लखनऊ। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर चल रहे प्रदेशव्यापी ज्ञापन दो अभियानश के तीसरे दिन बुधवार को प्रदेश के विभिन्न जनपदों में बिजली कर्मियों ने राज्य मंत्रियों, सांसदों और विधायकों को ज्ञापन सौंपे।

संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि मार्च 2023 के आंदोलन के बाद ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा के साथ हुए समझौते और निर्देशों के लगभग साढ़े तीन वर्ष बीत जाने के बावजूद कर्मियों पर की गई उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां वापस नहीं ली गई हैं। इसके अलावा, पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण के विरोध में हुए शांतिपूर्ण आंदोलन के दौरान की गई कार्यवाहियां भी अब तक लंबित हैं।

समिति ने जनप्रतिनिधियों से इस मामले में सरकार के स्तर पर प्रभावी हस्तक्षेप करने की मांग की है। पदाधिकारियों ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बिजली कर्मियों ने प्रयागराज महाकुंभ सहित पूरे प्रदेश में निर्बाध बिजली आपूर्ति देकर अपनी प्रतिबद्धता साबित की है। कार्यवाहियां वापस होने से कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा, जिसका सीधा लाभ उपभोक्ताओं को मिलेगा।

अनियंत्रित बाइक सवार ट्रक के पीछे टकराए, दो की हालत गंभीर

वाराणसी,संवाददाता। रोहनिया थाना क्षेत्र के भदवर चौकी के अन्तर्गत हैरिटेज हास्पिटल के सामने नेशनल हाइवे के किनारे एक ट्रक जो खड़ा था। पीछे आ रहे बाइक सवार दो व्यक्ति अनियंत्रित होकर ट्रक के पीछे टकरा गए। सूचना पर पहुंची रोहनिया पुलिस ने तत्काल दोनों घायलों को ट्रामा सेंटर इलाज के लिए भेजा। दुर्घटना में घायलों की पहचान सुपर स्प्लेंडर बाइक के नंबर से पुलिस ने की। जिसमें एक युवक का नाम मिसाल गुप्ता पुत्र भैया लाल उम्र 22 वर्ष पहाड़िया रमरेपुर का रहने वाला है जबकि दूसरा युवक सूरज शर्मा 30 वर्ष बिरना थाना धानापुर अमरा चंदौली का रहने वाला है। जिसमें मिसाल गुप्ता की हालत काफी गंभीर है। घटना के बाद एनएचएआई की टीम ने मौके से ट्रक और बाइक को भदवर चौकी पहुंचाया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक सवारों की रफ्तार काफी तेज थी जो अनियंत्रित होकर ट्रक में घुस गए। थाना प्रभारी निरीक्षक राजू सिंह ने बताया कि दोनों घायलों के स्वजन को सूचना दे दी गई है।

जर्जर बिजली के खंभे नहीं बदले जाने पर डाफी उपकेंद्र पर अनिश्चितकालीन धरना

वाराणसी,संवाददाता। सीर गोवर्धनपुर वार्ड नंबर 23 की दलित बस्ती में पिछले एक वर्ष से जर्जर बिजली के जर्जर खंभों को बदलने की मांग की जा रही है, लेकिन बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा लगातार शिकायतों के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। समस्या को लेकर बुधवार को डाफी उपकेंद्र पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू हुआ है। धरने पर बैठे सपा कार्यकर्ता अमन यादव ने बताया कि बीते एक वर्ष में जर्जर बिजली के तीन खंभे लोगों के घरों पर गिर चुके हैं। इसके बावजूद विभाग की लापरवाही के कारण लगभग पांच अन्य खंभे भी गिरने की कगार पर हैं। जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है और स्थानीय लोगों की जान–माल को खतरा बना हुआ है। अमन यादव ने आरोप लगाया इस गंभीर समस्या को लेकर जेई अरविंद सोनकर से शिकायत की जाती है तो उनका कहना है कि आप लोग वोट लेने के चक्कर में फर्जी शिकायत करते हैं। क्षेत्र में कोई समस्या नहीं है, सिर्फ राजनीति आप लोग करते हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि लोगों की सुरक्षा से जुड़े मामले को भी गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। धरने में अमन यादव, लाल बहादुर यादव ने कहा कि बस्ती के बगल में संत रविदास मंदिर है जहां बड़े बड़े नेता आते हैं लेकिन समस्या बनी है। व्यापार मंडल उपाध्यक्ष भईया लाल यादव ने कहा कि वीआईपी के आगमन पर दो दिन के लिए सड़क और क्षेत्र को चमकाया जाता है लेकिन फिर वही दुर्दशा का हाल हो जाता है। धरने पर बैठे लोगों की मांग है कि दलित बस्ती में सभी जर्जर बिजली के खंभों को तत्काल बदला जाए, ताकि किसी बड़े हादसे को रोका जा सके। जब तक समस्या का समाधान नहीं होगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

पुत्र न होने पर महिला को घर से निकाला बाहर पुत्री के साथ महिला बैठी धरने पर

वाराणसी,संवाददाता। सारनाथ लेदुपुर स्थित जानकी बिहार कालोनी में एक महिला को पुत्र न होने पर पति ने घर से निकाला पूरी रात बाहर पोर्च में बैठ कर अपने अधिकार के लिए धरने पर बैठी हैं। महिला को दो पुत्रियाँ हैं। पीड़िता महिला 36 वर्षीय पिंकी पांडे ने बताया कि वर्तमान में वह कमला नगर कालोनी, दौलतपुर पांडेयपुर में किराए के मकान में रहती है। इनका सारा खर्चा छोटा भाई राज पाठक चलाते हैं। वह मुंबई में रहते हैं। उन्होंने बताया कि उनकी शादी सात मई 2007 को वैष्णव प्रकाश पांडेय उर्फ विनय पांडे से जानकी विहार कालोनी लेदूपुर से हुई थी। मामा मनोज पांडे के अगुआई में ही शादी हुई थी। पिंकी पांडे ने बताया कि उनको दो लड़कियां हैं। कृतिका पांडेय (18) एवं श्रद्धा पांडेय (24) हैं। बताया कि उनके पति वैष्णव प्रकाश पांडेय प्राथमिक विद्यालय पंचराव चिरईगांव में सहायक अध्यापक हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार की शाम को घर में जाने लगे तो ससुर देव प्रभाकर पांडे एवं पति वैष्णव प्रकाश ने धक्का देकर घर से बाहर निकाल दिया। इसके बाद दोनों घर से भाग गए। सास विमला पांडेय ने एवं देवरानी माया पांडेय ने भीतर से दरवाजा बंद कर लिया। इस मामले स्थानीय थाने पर तहरीर दी गई है। इस सम्बन्ध में थानाध्यक्ष पंकज कुमार त्रिपाठी ने बताया को दोनों पक्षों का मामले न्यायालय में चल रहा है।

देव दीपावली से पहले गंगा घाटों पर चला स्वच्छता अभियान

वाराणसी,संवाददाता। देव दीपावली पर्व को स्वच्छता और जनभागीदारी के साथ मनाने के संकल्प के तहत नगर निगम और नमामि गंगे ने गंगा घाटों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। अपर नगर आयुक्त दुर्गेश मिश्र के नेतृत्व और नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर राजेश शुक्ला के संयोजन में दशाश्वमेध, प्रयाग और राजेंद्र प्रसाद घाट तक श्रमदान किया गया। टीम ने घाटों पर फैली गंदगी साफ की और पर्यटकों व स्थानीय लोगों को घाटों को स्वच्छ रखने के प्रति जागरूक किया। अभियान के दौरान लोगों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला ने कहा कि स्वच्छता को जीवनशैली और संस्कार का हिस्सा बनाना होगा। उन्होंने कहा सबका साथ हो, मां गंगा व हमारा शहर साफ हो। हम धर्म मानना तो जानते हैं, निभाना कब सीखेंगे? जिस गंगा को मां कहते हैं, उसे स्वच्छ रखना भी हमारा धर्म है। श्रमदान में नीलिमा राय, प्रकाश सिंह, सुपरवाइजर कामेश्वर सेठ, रिंकू सेठ, दिनेश चौधरी, सुनील कुमार, सेवी भारती, रेखा, काजल सहित कई गंगा सेवक मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने छह टीबी मरीजों को पोषण पोटली दी

अमेठी,संवाददाता। राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिलाधिकारी शशांक चौधरी ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में छह टीबी मरीजों को पोषण पोटली वितरित की। इस दौरान उन्होंने मरीजों से पौष्टिक आहार लेने और डॉक्टरों के बताए अनुसार दवा का पूरा कोर्स तय समय तक जारी रखने की अपील की। डीएम ने कहा कि टीबी का इलाज संभव है। समय पर जांच, नियमित दवा और संतुलित पोषण से इस बीमारी पर काबू पाया जा सकता है। डीएम ने बताया कि सरकार टीबी मरीजों को मुफ्त जांच, दवा और पोषण सहायता उपलब्ध करा रही है। मरीजों को दवा का कोर्स बीच में नहीं छोड़ना चाहिए। पौष्टिक आहार लेने से शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि मरीजों तक स्वास्थ्य सुविधाएं और पोषण सहायता समय पर पहुंचाई जाए। मरीजों की नियमित निगरानी की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी मरीज सरकारी सुविधाओं से वंचित न रहे। डीएम ने मरीजों से उनकी सेहत के बारे में जानकारी ली। उन्होंने इलाज के दौरान किसी तरह की परेशानी होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की सलाह दी। कहा कि टीबी उन्मूलन के लिए प्रशासन लगातार अभियान चला रहा है। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंशुमान सिंह, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. दीपक सिंह समेत अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

तीन किलो गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

अमेठी,संवाददाता। अमेठी पुलिस ने करीब तीन किलो गांजे और बुलेट मोटरसाइकिल के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान प्रदीप सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, यह कार्रवाई एसपी सरवणन टी के निर्देश पर चलाए जा रहे ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत की गई। पुलिस के मुताबिक, देर रात चेकिंग के दौरान मिश्रौली के शांतानंद पुजारी इंटर कॉलेज मार्ग पर प्रदीप सिंह को बुलेट मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से करीब तीन किलो गांजा मिला। पुलिस ने गांजा और बुलेट मोटरसाइकिल को कब्जे में ले लिया। प्रदीप सिंह, प्रमोद सिंह का बेटा है और प्रतापगढ़ जिले के ताला का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में प्रदीप ने बताया कि वह काफी समय से गांजे की तस्करी कर रहा है और अलग–अलग जिलों में इसकी सप्लाई करता है।

संपादकीय

मौत की जर्जर इमारतें

पिछले कुछ समय से दिल्ली में जर्जर इमारतों से होने वाले हादसों में मौतों का सिलसिला बदस्तूर जारी है। जिसमें अनेक निर्दोष लोगों की जान असमय चली जाती है। विडंबना यह है कि इन बड़े हादसों के बाद सत्ताधीशों व राजनेताओं की बयानबाजी ही सामने आती है। फिर अगले हादसे तक खामोशी ओढ़ ली जाती है। बड़े-बड़े दावों के बीच 'ट्रिपल इंजन सरकारें' भी जर्जर भवनों के हादसे रोक पाने में असहाय नजर आ रही हैं। इन हादसों के बावजूद निर्माण संबंधी नियमों को सख्ती से लागू करने की पहल होती नजर नहीं आती है। वहीं दूसरी ओर लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों और अधिकारियों की कोई जवाबदेही भी तय नहीं की जाती। ऐसी कोई जानकारी नहीं है कि आपराधिक लापरवाही के लिये किसी दोषी को दंडित किया गया हो। साथ ही बिल्डिंग बायलज के उल्लंघन के मामले में भी तंत्र की तरफ से कोई गंभीर कार्रवाई होती नजर नहीं आती। मंगलवार को शाहदरा के ज्वाला नगर में एक इमारत ढह गई, जिसमें एक तीन साल के बच्चे समेत दो लोगों की जान चली गई। कुछ लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका बना हुई थी। दुखद ही है कि ऐसी दुर्घटनाओं की सूची दिन-ब-दिन लंबी होती जा रही है। सितंबर में तब काफी बवाल मचा था जब सत्य निकेतन की पांच मंजिला इमारत ढह गई थी। जिसमें पेइंग गेस्ट के तौर पर रह रहे पांच छात्रों समेत सात लोगों की मौत हो गई थी। तब क्योंकि छात्र आंदोलन का दौर चल रहा था तो छात्रों के गुस्से के मद्देनजर बड़ी-बड़ी घोषणाएं हुई और सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। लेकिन कुछ दिनों के बाद 'वही ढाक के तीन पात' वाली स्थिति सामने आई। बीते अक्तूबर में भी सीमापुरी में जमीन धंसने से चार लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह पांच नवंबर को चावड़ी बाजार हादसे में सात लोगों की मौत हो गई थी। दुखद यह है कि दुर्घटनाओं का यह अंतहीन सिलसिला लगातार जारी है। उल्लेखनीय है कि मई और जुलाई में भी सैदुलजाब और रोहिणी में ऐसी घटनाएं देखने को मिली। पिछले हफ्ते पहाड़गंज में एक निर्माण स्थल पर छत ढह गई थी। लेकिन गनीमत रही है कि चमत्कारिक रूप से किसी की जान नहीं गई। बहरहाल, बार-बार होने वाली ये त्रासदियां यह स्पष्ट कर देती हैं कि राजधानी में असुरक्षित इमारतें- अब चाहे वे कॉमर्शियल हों या रिहायशी, पुरानी हों या निर्माणाधीन, अधिंत हों या अनधिंत- मौत का जाल बनती जा रही हैं। वहीं दूसरी ओर इन हादसों की जवाबदेही तय करना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। लंबे समय से यह स्थिति बनी हुई है। पुरानी जर्जर इमारतों की अनदेखी, निर्माण के तौर-तरीकों में आपराधिक लापरवाही, सुरक्षा जांच में कमी और प्रशासनिक लापरवाही के चलते बार-बार लोगों की जान जोखिम में डाला जाना बदस्तूर जारी है। इसमें दो राय नहीं कि यह प्रशासन की विफलता है। विडंबना यह है कि स्थानीय प्रशासन व नगर निकाय घटना के बाद कार्रवाई- मसलन मलबे की जांच करने, चंद अधिकारियों के निलंबन या प्राथमिकी दर्ज करने तक सीमित रह जाता है। वास्तव में होना यह चाहिए कि उन इमारतों को चिन्हित किया जाए, जो खतरनाक साबित हो सकती हैं। ताकि समय रहते कार्रवाई करके लोगों की जान बचायी जा सके। बाद में कार्रवाई करने से ज्यादा जरूरी है कि ऐसी आपदाओं की पुनरावृत्ति ही न हो। सही मायने में दिल्ली में असुरक्षित व जर्जर इमारतों के सुरक्षा अडिट की तत्काल जरूरत है।

कहानी हसीन होनी चाहिए

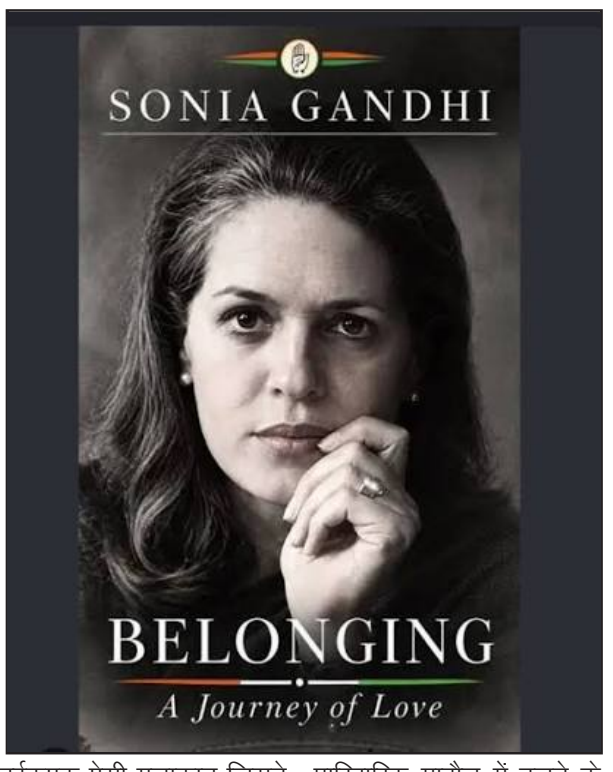
किरदार चाहे जो भी हो
कहानी हसीन होनी चाहिए...
दिल में अच्छाई और
आंखों में प्यार होना चाहिए...
मायूसी में क्या रखा है
जिंदगी तो गुलजार होना चाहिए...
सजते तो सभी है आजकल
पर उसमें थोड़ी सादगी की मिलावट भी होनी चाहिए...
यूं तो सबके जिंदगी का सफर आसान नहीं होता
जिंदगी जीने के लिए खुशमिजाज होना चाहिए...
मिठास होठों पर नहीं
दिल में होनी चाहिए...
लोग चाहे जैसे भी बर्ताव करें
पर आपके बर्ताव में संस्कार होने चाहिए...
स्वार्थ से भरी इस दुनिया में
थोड़ा निस्वार्थ भी होना चाहिए...
किरदार चाहे जो भी हो
कहानी हसीन होनी चाहिए...



ए जर्नी ऑफ लव एक बेहतरीन निजी कहानी

कल्याणी शंकर

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के इर्द–गिर्द आखिर क्या रहस्य है? वह 1968 में एक युवा दुल्हन के रूप में भारत आईं, और सार्वजनिक जीवन में इतने साल बिताने के बाद भी, बहुत कम लोग ही उन्हें ठीक से जानते हैं। वह अपनी निजी जिंदगी को काफी हद तक निजी ही रखती हैं जिससे उनकी पसंद, भारत के लिए उनकी दृष्टि और विभिन्न मुद्दों पर उनकी राय को लेकर कई सवाल अनसुलझे रह जाते हैं। कुछ लोग उन्हें एक पहेली मानते हैं, तो कुछ उन्हें घमंडी समझते हैं या फिर श्ओर्बासानो की सिंड्रेलाश कहते हैं। लोगों की राय चाहे जो भी हो, वह एक असाधारण महिला साबित हुई हैं। भारत में अपने दो बच्चों की परवरिश करने में उनके प्रयासों को काफी श्रेय दिया जाता है। सोनिया गांधी की राजनीतिक मौजूदगी और उनकी निजी कहानी लोगों का ध्यान खींचती है। अमेरिकी दूतावास के एक टेलीग्राम में उनके व्यक्तित्व के उस अनोखे मिश्रण का जिक्र था, जिसमें एक तरफ भारतीय संस्कार थे, तो दूसरी तरफ उनकी मूल इतालवी पहचान झलकती थी। यह उनके सौम्य और निजी स्वभाव को दर्शाता है। उनकी हालिया किताब, शबिलॉनिंगरू ए जर्नी ऑफ लक्य (अपनापन रू मोहब्बत का एक सफर)एक विवाद के बाद प्रकाशित हुई। पहले इसे पेंगुइन पब्लिशर्स ने लेने से मना कर दिया था, जिसके बाद हार्परकॉलिन्स ने इसे प्रकाशित किया। यह किताब आत्मकथा और राजनीतिक टिप्पणी का एक मिला–जुला रूप है। इसमें इटली में एक युवा लड़की के रूप में उनके जीवन और बाद में गांधी परिवार के साथ बिताए गए समय की झलक मिलती है। यह किताब चुनिंदा बातों पर ईमानदारी से बात करती है। इसमें उनकी गोतनी मेनका गांधी के परिवार से दूर होने, संजय गांधी, इंदिरा गांधी, नरेंद्र मोदी, आरएसएस और विभिन्न राजनीतिक घटनाक्रमों पर उनके विचारों को शामिल किया गया है। सोनिया कहती हैं, कई मायनों में, यह किताब उनकी इंसानियत को एक श्रद्धांजलि है। मेरी कहानी पाठकों को एक अनोखा नजरिया भी देती है। वह बताती हैं कि कैसे उन्होंने उस खूबसूरत देश में, जिसे वह अपना मानती हैं, छह दशकों तक सामाजिक और राजनीतिक बदलावों को करीब से देखा है। 10 नवंबर को जारी 544 पन्नों का यह संस्मरण, युद्ध के बाद के इटली और कैम्ब्रिज में बिताए गए समय से लेकर भारतीय राजनीति तक सोनिया गांधी के सफर को बयां करता है। यह 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद प्रधानमंत्री का पद संभालने को लेकर राजीव की शुरुआती हिचकिचाहट को उजागर करता है। 1946 में इटली के मिलन में एक साधारण परिवार में जन्मीं सोनिया का शुरुआती जीवन उम्मीदों और महत्वाकांक्षाओं से भरा था, जो बाद में उनके सामने आई राजनीतिक उथल–पुथल से बिल्कुल अलग था। उन्होंने बताया, श्दिल टूटने और अपनों को खोने के दुख ने ही मुझे राजनीति के सार्वजनिक क्षेत्र में ला खड़ा किया। उस समय तक, मैंने अपनी निजता (प्राइवेसी) को बहुत सख्ती से बचाकर रखा था। उनकी कहानी उनके बचपन से शुरू होती है, जिसमें बताया गया है कि कैसे उनके पालन–पोषण ने उनमें काम के प्रति एक मजबूत निष्ठा पैदा की। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में उनकी मुलाकात राजीव गांधी से



हुईकृएक ऐसी मुलाकात जिसने उनके जीवन को पूरी तरह से बदल दिया। यह किताब एक विदेशी देश की एक युवा लड़की से लेकर दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टियों में से एक की नेता बनने तक के उनके सफर को दर्शाती है। 1968 में राजीव के साथ सोनिया की शादी से भारतीय राजनीति में उनका प्रवेश हुआ। उनकी कहानी में इस बात का जिक्र है कि शुरुआत में वह कितनी हिचकिचा रही थीं और उन्हें सांस्कृतिक अंतर के कारण किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा। वह इंदिरा गांधी के घर के जीवन और भारतीय पारिवारिक माहौल में ढलने के अपने प्रयासों को याद करती हैं, जिसमें तीखा खाना खाना सीखना भी शामिल था। वे कुछ खास व्यंजनों का जिक्र करती हैं, जैसे कूर्ग की एवोकाडोकरी और कई तरह की तीखी सब्जियां। 1991 में राजीव की हत्या उनके जीवन का एक बड़ा मोड़ साबित हुई। उनकी अचानक मौत ने सोनिया को सार्वजनिक जीवन के केंद्र में ला दिया और उन्हें अपने डर का सामना करने के लिए मजबूर किया। वह बताती हैं कि राजीव उनके लिए श्एक ऐसी मौजूदगी बन गए जो हमेशा उनके भीतर रहती है, न कि कोई ऐसी कमी जो हमेशा चुभती रहे।

जब दलाई लामा ने उनसे पूछा कि क्या वे अपने पति के हत्यारों के प्रति बदले की भावना रखती हैं, तो उन्होंने जवाब दिया, श्नहीं, बिल्कुल नहीं। यह किताब उनके गहरे दुख और उस साहस को दिखाती है, जिसकी बदौलत वह अपने, अपने बच्चों और अपनी पार्टी के लिए आगे बढ़ने में सफल रहीं। उन्होंने अपने दुख को ताकत में बदल दिया और एक नेता के रूप में उभरीं। सोनिया को कई सवालों के जवाब श्भगवद गीताय में मिले। हालांकि वह वयस्क होने पर बहुत धार्मिक नहीं थीं, फिर भी 1997 में उन्होंने इस ग्रंथ को पढ़ने के लिए एक संस्कृत विद्वान से निजी तौर पर शिक्षा ली। गीता का यह संदेश कि श्बिना किसी मोह के अपना कर्तव्य निभाना चाहिएय, उनके दिल को छू गया और इससे उन्हें अपने भीतर के द्वंद्वों को सुलझाने में मदद मिली। उनकी कहानी का एक मुख्य विषय यह है कि नेतृत्व में साहस (लचीलापन) और सहानुभूति कितनी महत्वपूर्ण होती है। विभिन्न समुदायों के साथ सोनिया के प्रत्यक्ष अनुभव उनके शासन–दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। वह जमीनी राजनीति के प्रति प्रतिबद्ध हैं, और ऐसी कई कहानियां हैं जो आम लोगों के साथ उनके जुड़ाव को दिखाती हैं। यह किताब भारतीय राजनीति की जटिलताओं का बारीकी से विश्लेषण करती है, जहां गठबंधन और प्रतिद्वंद्विताएं लगातार बदलती रहती हैं। सोनिया ने व्यावहारिकता और आदर्शवाद के साथ इन चुनौतियों का सामना किया, लेकिन उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि उन्होंने प्रधानमंत्री का पद क्यों ठुकराया, या अपने दोनों बच्चों को राजनीति में क्यों शामिल किया। कांग्रेस पार्टी के इतिहास और भविष्य पर अपने विचारों के जरिए, सोनिया समकालीन मुद्दों का एक सामयिक राजनीतिक विश्लेषण पेश करती हैं। हालांकि, भोपाल गैस त्रासदी और वॉरेन एंडरसन के भाग निकलने के मामले पर वह चुप रहती हैं। वह शाह बानो मामले पर चर्चा करती हैं और बताती हैं कि कैसे राजीव ने मुस्लिम पर्सनल लॉ को चुनौती दिए बिना, शाह बानो और उनके जैसी अन्य महिलाओं की मदद करने की कोशिश की थी। सोनिया ओत्तावियोक्वात्रोची का जिक्र करने से भी बचती हैं और अपना ध्यान उन रिश्वत के आरोपों पर केंद्रित रखती हैं जिसमें राजीव गांधी को आरोपी बनाया गया था और जिसे 2004 के दिल्ली उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया गया था। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि श्बोफोर्सश आज भी राजनीतिक विरोध का एक जरिया बना हुआ है। सोनिया भारतीय राजनीति के बदलते परिदृश्य पर जोर देती हैं।

अमेरिका और भारत में बच्चों की परवरिश, सबक और संवेदनाएं

अरुण कुमार डनायक

आज के वैश्वीकृत संसार में बच्चों की परवरिश केवल पारिवारिक दायित्व नहीं, बल्कि सामाजिक और नीतिगत चुनौती है। संयुक्त राष्ट्र के विश्व बाल दिवस (20 नवम्बर) के अवसर पर अमेरिका और भारत की परवरिश–पद्धतियों को देखना उपयोगी है, यह तय करने के लिए नहीं कि कौन श्रेष्ठ है, बल्कि यह समझने के लिए कि हम एक–दूसरे से क्या सीख सकते हैं। संसाधनों से भरपूर अमेरिका में भी पालन–पोषण तनावपूर्ण और संवेदनशील माना जाता है। अमेरिकी समाज मुख्यतरू एकल परिवारों पर आधारित है। माता–पिता के पूर्णकालिक कार्यरत होने, लंबी दूरी की दिनचर्या और समय–साध्य आवागमन के कारण बच्चों को पर्याप्त समय और भावनात्मक उपस्थिति देना आसान नहीं होता। महंगी चाइल्डकेयर और सीमित पारिवारिक अवकाश इस दबाव को और बढ़ाते हैं। अनेक अभिभावक मानसिक दबाव और अकेलेपन से जूझते हैं, और परामर्श या थेरेपी की सहायता लेना वहां अब सामान्य माना जाने लगा है। पालन–पोषण पर कानूनी और सामाजिक जवाबदेही के कारण माता–पिता निर्णयों में अधिक सतर्क रहते हैं। इन कठिनाइयों के बावजूद अमेरिकी परवरिश की कुछ बातें ध्यान खींचती हैं। वहां बच्चों को डराकर नहीं, बल्कि समझाकर जिम्मेदारी सिखाने पर जोर दिया जाता है। माता–पिता चाहते हैं कि बच्चे आत्मनिर्भर हों, अपनी राय व्यक्त कर सकें, असफलता से सीखना जानें और मानसिक रूप से संतुलित रहें, साथ ही उनमें दयालुता, परोपकार और दूसरों के प्रति सम्मान की भावना विकसित हो। उनका उद्देश्य आज्ञाकारी बच्चे नहीं, बल्कि जिम्मेदार वयस्क गढ़ना है। एक और उल्लेखनीय विशेषता पिता की सक्रिय भागीदारी है, जो बच्चों में समानता, सहयोग और साझेदारी की समझ विकसित करती है। वहां आजकल संवादपरक एवं मर्यादित (ऑथोरिटेटिव) तथा करुणा–आधारित एवं अहिंसक (जेंटल) पेरेंटिंग शैलियां लोकप्रिय हैं, जिनमें नियम स्पष्ट होते हैं, किंतु संवाद और सम्मान के साथ। इसके विपरीत, हर समय बच्चे की निगरानी और अति–हस्तक्षेप वाली श्हेलीकॉप्टर पेरेंटिंगय की आलोचना होती है, क्योंकि वह बच्चे की आत्मनिर्भरता को कमजोर करती है। बाल–मनोविज्ञान के अनेक विशेषज्ञ अब अत्यधिक व्यस्तता, दिखावे और अनियंत्रित तकनीक से हटकर सहानुभूति–आधारित सीमाओं, धीमे बचपन और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता की वकालत करते हैं। अमेरिका के अनेक सार्वजनिक प्री–स्कूलों की शैक्षणिक सामग्री के अनुसार वहां प्रारंभिक शिक्षा को केवल अक्षर–ज्ञान तक सीमित नहीं रखा जाता। गीत–संगीत, कहानी–आधारित खेल, हल्का व्यायाम और सुरक्षित डिजिटल उपयोग के साथ श्बिल्डिंग यूनिट्य जैसी अनुभव–आधारित गतिविधियां बच्चों को घर, समुदाय और दैनिक जीवन से जोड़ती हैं और अभिभावकों को शिक्षा–प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार बनाती हैं। पब्लिक स्कूल प्रणाली में पते के आधार पर प्रवेश, डिजिटल नामांकन और अभिभावक–शिक्षक संवाद को महत्व दिया जाता है। शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता, रुचियां और संपर्क विवरण अभिभावकों से साझा किए जाते हैं, जो यह संदेश देते हैं कि शिक्षा संबंधों पर आधारित है, डर या दूरी पर नहीं।



स्कूल में भोजन को केवल पोषण नहीं, बल्कि समान अवसर और बाल अधिकार के रूप में देखा जाता है, पात्र परिवारों के बच्चों को, और कुछ राज्यों में सभी को, निरूशुल्क भोजन मिलता है। यह इस मान्यता पर आधारित है कि भूखा बच्चा सीख नहीं सकता। भारत में परंपरागत रूप से बच्चों की परवरिश सामूहिक जिम्मेदारी रही है। माता–पिता, दादा–दादी, नाना–नानी और अन्य परिवारजन सभी किसी न किसी रूप में शामिल रहते हैं। यह साझा देखभाल बच्चे को भावनात्मक सुरक्षा, अपनत्व और सामाजिक जुड़ाव देती है, जो हमारी बहुत बड़ी ताकत है। यहां बड़ों का आदर, उनकी बात मानना और चरणस्पर्श जैसे व्यवहार श्अच्छे संस्कारय माने जाते रहे हैं, और अनुशासन को आत्म–नियंत्रण के साथ–साथ सामाजिक मर्यादा के रूप में भी देखा जाता है। किंतु इसका दूसरा पक्ष यह है कि तुलना और अपेक्षाओं का बोझ अक्सर बच्चों पर भारी पड़ता है। अमेरिकी समाज बच्चों की व्यक्तिगत रुचि और क्षमता को केंद्र में रखने का प्रयास करता है, यद्यपि व्यवहार में यह लाभ वहां भी सभी बच्चों को समान रूप से नहीं मिल पाता। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के प्रति दृष्टिकोण में अंतर सबसे स्पष्ट दिखता है। अमेरिकी स्कूलों में सामान्यतरू काउंसलर, साइकोलॉजिस्ट और विशेष शिक्षा विशेषज्ञों की व्यवस्था अपेक्षित है, हालांकि उनकी कमी की शिकायतें भी सुनाई देती हैं। डिस्लेक्सिया, ऑटिज्म, ध्यान–अभाव एवं अति–सक्रियता विकार जैसी स्थितियों को अनुशासनहीनता नहीं, बल्कि विकास की भिन्नता माना जाता है, और श्व्यक्तिगत शिक्षा योजनाय के अंतर्गत स्कूल बच्चे की क्षमताओं और चुनौतियों के अनुसार शैक्षिक सहायता, शिक्षण–पद्धति और मूल्यांकन तय करता है। अमेरिकी कानून बच्चों की सुरक्षा और गरिमा की रक्षा करते हैं। ये कानून माता–पिता को दंडित करने के लिए नहीं, बल्कि बच्चों की भलाई के लिए बनाए गए हैं। भारत में भी शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009, दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016, पॉक्सो अधिनियम, मध्यान्ह भोजन के लिए पी एम पोषण योजना और समग्र शिक्षा जैसे प्रावधान मौजूद हैं। कमी कानून की नहीं, बल्कि क्रियान्वयन, प्रशिक्षित शिक्षकों, संसाधनों और जागरूकता की है। इसी कारण अनेक कक्षाओं में ऐसे बच्चों को अब भी श्कमजोरय या श्शरारतीय मानकर सामान्य ढांचे में ढालने की कोशिश की जाती है। यानी जहां अमेरिका की व्यवस्था बच्चे के अनुसार ढलने का प्रयास करती है, वहीं हमारे यहां कई बार बच्चे को ही व्यवस्था के अनुरूप ढलना पड़ता है। अमेरिकी व्यवस्था भी दोषमुक्त नहीं है। तकनीक पर स्पष्ट नियमों के बावजूद वहां बच्चे स्क्रीन–निर्भरता से जूझते हैं, किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं चिंता का विषय हैं, और स्कूलों में हिंसा तथा बाल गरीबी जैसी चुनौतियां बनी हुई हैं। यह दिखाता है कि केवल नियमों और संस्थाओं से नहीं, बल्कि संवाद और समय–साझेदारी से ही परवरिश प्रभावी होती है। वहां वरिष्ठ अभिभावक परिवार के केंद्र में नहीं होते, पर दूर रहते हुए भी नाती–पोतों को भावनात्मक और नैतिक समर्थन देते हैं। हस्तक्षेप कम और समर्थन अधिक देने की यह शैली भारतीय परिवारों में पीढ़ियों के बीच टकराव कम करने में सहायक हो सकती है। इस प्रकार दोनों देशों का अंतर केवल स्कूली शिक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि पेरेंटिंग की सोच में निहित है। अमेरिका में राज्य, स्कूल और अभिभावक मिलकर बच्चे के विकास की जिम्मेदारी साझा करने का प्रयास करते हैंय वहीं भारत में संस्थागत व्यवस्थाएं विकसित होने के बावजूद माता–पिता और वरिष्ठ अभिभावकों की भूमिका अत्यंत निर्णायक बनी हुई है। भारत को अमेरिकी परवरिश की प्रतिलिपि नहीं बनानी चाहिए, बल्कि अपनी पारिवारिक और सामुदायिक शक्ति को बनाए रखते हुए खुले, आत्मविश्वासी और आत्मालोचनात्मक दृष्टिकोण से यह सीखना चाहिए कि बच्चों की भावनाएं, स्वतंत्रता और संवाद ही विकास की बुनियाद हैं। बच्चों के बीच तुलना और उन पर अनावश्यक दबाव से बचना चाहिए।

आत्मकथा लिखने का फेर, सवालों के खड़े हैं ढेर

आत्मकथा लिखना भी कम जोखिम भरा काम नहीं है। दूसरों की कमियां लिखो, तो लोग नाराज होते हैं और अपनी कमियां लिखो, तो पाठक पूछते हैं कि फिर आपमें खास क्या है? जितने भी बड़े लोग हुए हैं, उनमें से अधिकांश ने अपनी आत्मकथा लिखी है या कोई न कोई किताब जरूर लिखी है। कुछ ने अपने संघर्षों को शब्द दिए, तो कुछ ने अनुभवों को इतिहास के हवाले कर दिया। हाल ही में राजनीति से जुड़ी एक चर्चित किताब की चर्चा सुनी तो मन में खयाल आया कि जब बड़े–बड़े लोग अपनी जिंदगी को किताब की शक्ल दे सकते हैं, तो आम आदमी क्यों नहीं? आखिर किताब लिखने के लिए बड़ा आदमी होना जरूरी तो नहीं!

कोई आम आदमी इतना बड़ा तो नहीं हुआ कि उसकी जिंदगी पर कोई शोध हो या आने वाली पीढ़ियां उसके अनुभवों से प्रेरणा लें, लेकिन जीवन में कुछ अच्छे–बुरे अनुभव तो हर किसी के हिस्से भी आए हैं। लोगों को बदलते देखा है, रिश्तों को टूटते और सिद्धांतों को सुविधानुसार बदलते भी देखा है। इन्हीं अनुभवों को समेटकर कुछ लिखा जा सकता है।

आत्मकथा लिखना भी कम जोखिम भरा काम नहीं है। दूसरों की कमियां लिखो, तो लोग नाराज होते हैं और अपनी कमियां लिखो, तो पाठक पूछते हैं कि फिर आपमें खास क्या है? हां, अपने संघर्षों का जिक्र हो सकता है। सुबह जल्दी उठने का संकल्प लेकर देर तक सो जाना, महीने के अंत में बजट का जवाब दे जाना और किसी परिचित की सफलता पर दिल से खुश होने की कोशिश करना, ये संघर्ष भी किसी बड़े संघर्ष से कम नहीं हैं। रिश्तों पर भी लिखा जा सकता है। पहले लोग मिलने के लिए वक्त निकालते थे, अब वक्त मिलने पर किसी को याद करते हैं। किसी की बीमारी पर सोशल मीडिया में संवेदना जताने वाले कई लोग अस्पताल का रास्ता पूछने तक नहीं पहुंच पाते। लगता है, हम संवेदनशील होने से ज्यादा संवेदनशील दिखाई देने में दिलचस्पी रखने लगे हैं। राजनीति पर लिखने के लिए तो सामग्री की कोई कमी नहीं है। हर आदमी को देश की चिंता है, बस अपने आसपास की गंदगी से थोड़ा परहेज है। हर कोई व्यवस्था बदलना चाहता है, लेकिन अपनी सुविधा के लिए नियम तोड़ने में उसे कोई परेशानी नहीं होती।

शीतकालीन चारधाम यात्रा की भी हैं संभावनाएं

डा0 एमपी वर्मा

मुख्य धामों के कपाट बंद होने के बाद पर्वतीय क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां सीमित हो जाती हैं। ऐसे में शीतकालीन गद्दीस्थलों को धार्मिक पर्यटन के नए केंद्रों के रूप में विकसित करना महत्वपूर्ण पहल है। बैकुंठधाम बदरीनाथ के कपाट बंद होने के साथ ही उत्तराखंड हिमालय की इस वर्ष की चारधाम यात्रा का भी समापन हो गया। इस यात्रा में लगभग 65 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने चारधाम यात्रा की। बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री मंदिरों के कपाट भले ही बंद हो गए हों, लेकिन इसके साथ ही इन आराध्य देवताओं के शीतकालीन गद्दीस्थलों में पूजा–अर्चना शुरू हो जाती है। परंपरा के अनुसार, गंगा की उत्सव डोली शीतकाल में उत्तरकाशी जिले के मुखबा गांव स्थित गंगा मंदिर में विराजमान होती है। यमुना की पूजा खरसाली गांव में होती है। बाबा केदारनाथ की पंचमुखी उत्सव डोली ऊखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर पहुंचती है, जहां अगले छह महीने तक उनकी पूजा–अर्चना होती है। इसी प्रकार, बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने के बाद भगवान उद्धव की पूजा पांडुकेश्वर स्थित योगध्यान बदरी मंदिर में तथा आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी और भगवान नृसिंह की पूजा ज्योतिर्मठ स्थित नृसिंह मंदिर में होती है।

भौगोलिक विषमताओं और यात्रा की कठिनाइयों के बावजूद इन हिमालयी तीर्थों के प्रति देश–विदेश के श्रद्धालुओं की आस्था बढ़ती जा रही है। चारधाम यात्रा से होने वाली अधिकांश आय अप्रैल से नवंबर के बीच अर्जित होती है, लेकिन मुख्य धामों के कपाट बंद होने के बाद पर्वतीय क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां सीमित हो जाती हैं। ऐसे में शीतकालीन गद्दीस्थलों को धार्मिक पर्यटन के नए केंद्रों के रूप में विकसित करना महत्वपूर्ण पहल है। मुखबा, खरसाली, ऊखीमठ, पांडुकेश्वर और ज्योतिर्मठ को बेहतर सड़क संपर्क, आवास, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाओं और संचार सुविधाओं से जोड़कर वर्षभर के पर्यटन केंद्रों के रूप में विकसित किया जा सकता है। इससे स्थानीय होमस्टे, हस्तशिल्प, पारंपरिक खानपान और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, शीतकाल में भी स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर पैदा होंगे। हालांकि, शीतकालीन चारधाम यात्रा की संभावनाएं आकर्षक हैं, लेकिन इसके व्यावहारिक क्रियान्वयन की चुनौतियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जिन गद्दीस्थलों को तीर्थाटन के नए केंद्र बनाने की योजना है, वे भी हिमालय के संवेदनशील क्षेत्रों में स्थित हैं। सर्दियों में यहां भारी हिमपात, पाला, शीतलहर और बर्फीली हवाओं का सामना करना पड़ता है। मुखबा और खरसाली जैसे गांवों में भारी बर्फबारी के कारण सड़क संपर्क अक्सर बाधित हो जाता है। पांडुकेश्वर और जोशीमठ के आसपास भी हिमपात से यातायात प्रभावित होने की आशंका रहती है। ऊखीमठ अपेक्षाकृत कम ऊंचाई पर होने के बावजूद कड़ाके की ठंड और पाले से अछूता नहीं है। इसलिए यह मानना उचित नहीं होगा कि मुख्य धामों के कपाट बंद होने के बाद शीतकालीन गद्दीस्थलों तक पहुंचना हमेशा आसान रहेगा।

सरकार को शीतकालीन गद्दीस्थलों तक पहुंचने वाले प्रमुख मार्गों पर स्नो कटर मशीनों की स्थायी अथवा रणनीतिक तैनाती सुनिश्चित करनी चाहिए। केवल जिला मुख्यालयों पर मशीनें उपलब्ध होना पर्याप्त नहीं है। अधिक हिमपात वाले संवेदनशील स्थानों पर पहले से मशीनें, प्रशिक्षित ऑपरेटर और पर्याप्त ईंधन उपलब्ध होना चाहिए, ताकि बर्फबारी रुकते ही सड़कें खोलने का काम शुरू किया जा सके।

लोक निर्माण विभाग, सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) और जिला प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय भी जरूरी है। वैकल्पिक मार्गों की पहचान और आपातकालीन यातायात प्रबंधन की योजना पहले से तैयार रहनी चाहिए। इसके साथ ही राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एसडीआरएफ, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग को पूरी तरह सतर्क रखना होगा। प्रमुख पड़ावों पर रेस्क्यू पोस्ट, प्रशिक्षित बचावकर्मी, संचार उपकरण, ऑक्सीजन सिलेंडर, प्राथमिक उपचार सामग्री और गर्म कपड़ों की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। हिमस्खलन की आशंका वाले क्षेत्रों में मौसम और बर्फ की स्थिति की लगातार निगरानी हो तथा जरूरत पड़ने पर यात्रियों की आवाजाही तत्काल रोकने की व्यवस्था हो। गद्दीस्थलों पर 24 घंटे चिकित्सा सहायता, एंबुलेंस, गर्म पानी, हीटिंग और सुरक्षित आवास की सुविधाएं भी जरूरी हैं। विशेष रूप से बुजुर्गों, बच्चों और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे श्रद्धालुओं के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतनी होगी। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के साथ हिमालयी पर्यावरण पर दबाव भी बढ़ रहा है। भूस्खलन, अतिवृष्टि, बादल फटने और हिमस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के प्रति संवेदनशील इस क्षेत्र में यात्रियों की संख्या का प्रबंधन, मौसम के अनुसार यात्रा संचालन, कचरे का वैज्ञानिक निस्तारण और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी प्राथमिकता में शामिल होना चाहिए।

राजनीति, विचारों, वैश्विक जुड़ाव और भारत के सभ्यतागत विमर्श को जोड़ने वाला व्यक्तित्व

बरहज, देवरिया। सत्येंद्र त्रिपाठी समकालीन भारतीय सार्वजनिक जीवन में राजनीतिक संगठन, बौद्धिक नेतृत्व और संस्था–निर्माण के विशिष्ट संगम का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनकी यात्रा वैचारिक प्रतिबद्धता, राजनीतिक अनुभव और नीतिगत चिंतन के विभिन्न पड़ावों से होकर गुजरी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ै) से अपनी वैचारिक यात्रा प्रारंभ करने वाले त्रिपाठी का शुरुआती कार्य लेखन, प्रकाशन और बौद्धिक विमर्श से जुड़ा रहा।

वर्ष 2015 में भारतीय जनता पार्टी (ठश्रच) में संगठक के रूप में नियुक्ति उनके सक्रिय राजनीतिक जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव बना। मेघालय, मिजोरम, सिक्किम और ऊपरी असम में संगठनात्मक जिम्मेदारियों के माध्यम से उन्होंने पूर्वोत्तर भारत में पार्टी के विस्तार के प्रयासों में योगदान दिया। इसके पश्चात उत्तर प्रदेश में राजनीतिक एवं बौद्धिक नेटवर्क के निर्माण और उत्तराखंड विधानसभा चुनावों के दौरान संगठनात्मक दायित्वों के निर्वहन में उनकी सक्रिय भूमिका रही।

'लोकनीति इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष' के रूप में वे शिक्षाविदों, नीति–निर्माताओं, शोधकर्ताओं



और युवा विचारकों को एक साझा मंच पर लाने का प्रयास कर रहे हैं। उनका विशेष जोर सार्वजनिक नीति, वैश्विक साझेदारी, आर्थिक विकास, निवेश और नवाचार से जुड़े विमर्श को संस्थागत स्वरूप देने पर है। उत्तर प्रदेश को व्यापार, निवेश और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित करने की संभावनाएँ भी उनके चिंतन का हिस्सा हैं।

लेखक और स्तंभकार के रूप में उनकी पुस्तकें श्एकात्म यात्राश और श्भारत सूत्रश भारतीय राजनीति, इतिहास, संस्कृति और सभ्यतागत चिंतन के विविध ा आयामों को अभिव्यक्त करती हैं। वे खजुराहो साहित्य महोत्सव के आइडिएटर हैं तथा उत्तर प्रदेश यंग थिंकर्स मीट के आयोजन और वैचारिक मार्गदर्शन से जुड़े रहे हैं।

त्रिपाठी की कार्यदृष्टि राजनीति को केवल चुनावी गतिविधियों तक सीमित नहीं मानती। उनके लिए राजनीति विचारों के निर्माण, संस्थाओं को सशक्त करने, आर्थिक आकांक्षाओं को दिशा देने और राष्ट्र के सभ्यतागत आत्मबोध को समकालीन संदर्भों में अभिव्यक्त करने का माध्यम है। उनका कार्य राजनीतिक रणनीति, सार्वजनिक नीति और राष्ट्र–निर्माण के बीच सार्थक संवाद स्थापित करने की इसी व्यापक दृष्टि को प्रतिबिंबित करता है।

छठ पर मऊ स्टेशन पर स्काउट्स-गाइड्स ने यात्रियों की सहायता व भीड़ नियंत्रण में किया सहयोग, मेडिकल बूथ भी लगाया

सलेमपुर (देवरिया)। मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी आशीष जैन के निर्देश पर, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (म्दभ्ड) सह जिला आयुक्त भारत स्काउट्स एवं गाइड्स वाराणसी अनुभव पाठक के नेतृत्व में पूर्वोत्तर रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जिला संघ वाराणसी की शाखा सुभाष ग्रुप ने 14 नवंबर को छठ पर्व पर मऊ स्टेशन पर विशेष सेवा कार्य किया। ग्रुप लीडर एवं मुख्य टिकट निरीक्षक ध मऊ राकेश कुमार तथा सहायक ग्रुप लीडर विनोद कुमार कुशवाहा के नेतृत्व में स्काउट सदस्यों ने यात्रियों को सहायता दी व भीड़ नियंत्रण में सहयोग किया। यात्रियों की स्वास्थ्य जरूरतों के लिए स्टेशन पर मेडिकल बूथ भी लगाया गया, जहां चिकित्सा विभाग के डॉ. सुमित राय अपनी टीम के साथ मौजूद रहे।

मंडल वाणिज्य निरीक्षक, मऊ सुरजीत सिंह राठौर ने यात्रियों की सुविधा व सुरक्षित यात्रा के लिए स्काउट्स–गाइड्स के सेवा कार्य की सराहना की।

रुद्रपुर में आयोजित रोजगार मेले में 246 अभ्यर्थियों का प्रारंभिक चयन

देवरिया। उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अंतर्गत जिला सेवायोजन कार्यालय एवं मॉडल करियर सेंटर, देवरिया के संयुक्त तत्वावधान में आज खंड विकास अधिकारी कार्यालय, रूद्रपुर के प्रांगण में विधानसभा स्तरीय एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया।

रोजगार मेले में रोजगार की तलाश कर रहे कुल 348 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। मेले में 11 कंपनियों ने प्रतिभाग कर साक्षात्कार एवं चयन प्रक्रिया के माध्यम से 246 अभ्यर्थियों का प्रारंभिक चयन किया।

इस अवसर पर प्रभारी सेवायोजन अधिकारी रोहन अपूर्व सिन्हा ने चयनित अभ्यर्थियों को बध ाई एवं शुभकामनाएं दीं। साथ ही, चयनित न हो पाने वाले अभ्यर्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें निरंतर प्रयास और कठिन परिश्रम के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

गुरु नानक देव जी का प्रकाश उत्सव 22 नवंबर से,तीन दिन चलेगा आयोजन

बस्ती,संवाददाता। जिले में गुरु नानक देव जी का 557वां प्रकाश उत्सव और गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा गांधी नगर का 89वां वार्षिकोत्सव 22 से 24 नवंबर तक मनाया जाएगा। आयोजन गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा (रजि.) गांधी नगर के तत्वावधान में होगा। गुरुद्वारे में तैयारियां शुरू हो गई हैं। 15 से 21 नवंबर तक रोज सुबह 5 बजे प्रभात फेरी निकाली जा रही है। 21 नवंबर को रात 4 बजे गुरुद्वारा सप्तमी नगर से श्री गुरु राम साहिब जी की शोभायात्रा निकलेगी। यह नगर के अलग–अलग रास्तों से होते हुए गांधी नगर गुरुद्वारे पहुंचेगी। शोभायात्रा में नगर कीर्तन और झांकियां शामिल रहेंगी।

22 नवंबर को सुबह 9 बजे श्री अखंड पाठ साहिब शुरू होगा। 24 नवंबर को सुबह 9 बजे अखंड पाठ साहिब की समाप्ति होगी। इसके बाद सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक खुले पंडाल में नगर कीर्तन, लंगर और प्रसाद वितरण होगा। शाम 7 से रात 11 बजे तक विशेष कीर्तन दरबार सजेगा। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के प्रध ाान हरबंस सिंह सचदेवा के साथ गुरनाम सिंह सचदेवा, प्रभुप्रीत सिंह, हरविंदर पाल सिंह, ज्ञानी प्रदीप सिंह, अमरजीत सिंह, रविंदर पाल सिंह, प्रभुजोत सिंह, जल्लू सिंह, हरजस सिंह और प्रभजी सिंह तैयारियों और व्यवस्थाओं में जुटे हैं। गुरुद्वारा प्रबंधन ने श्रद्धालुओं से कार्यक्रमों में शामिल होने और सेवा में सहयोग करने की अपील की है।

सीएचसी में सीएचओ को प्रशिक्षण दिया गया

बहराइच,संवाददाता।

पयागपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पीएफआई संस्था के सहयोग से सीएचओ को परिवार नियोजन और उच्च जोखिम गर्भावस्था पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम चिकित्सा अध ीक्षक डॉ. धीरेंद्र तिवारी के नेतृत्व में हुआ। इसमें क्षेत्र के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी शामिल हुए। प्रशिक्षक डॉ. साफिया ने परिवार नियोजन के साधनों, उनके उपयोग और लाभों की जानकारी दी। सीएचओ से कहा गया कि वे अपने कार्यक्षेत्र में परिवार नियोजन और सुरक्षित मातृत्व सेवाओं की जानकारी ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाएं। डॉ. धीरेंद्र तिवारी ने स्वास्थ्य केंद्रों पर दी जा रही सेवाओं की समीक्षा की।

नए सीईओ डा. बलकार सिंह ने संभाली कमान

शहरवासियों व किसानों को विकास और समस्याओं के समाधान की उम्मीद

ग्रेटर नोएडा,संवाददाता। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधि ाकरण के नवनियुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डॉ. बलकार सिंह ने बुधवार को अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। उत्तर प्रदेश शासन की ओर से किए गए प्रशासनिक फेरबदल के बाद उन्हें ग्रेटर नोएडा प्राधि ाकरण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वह इससे पहले उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधि ाकरण में मुख्य कार्यपालक अधि ाकारी के पद पर तैनात थे। डॉ. बलकार सिंह उत्तर प्रदेश कैडर के 2004 बैच के आईएएस अधि ाकारी हैं। उन्हें व्यापक प्रशासनिक अनुभव प्राप्त है।



वह प्रदेश के विभिन्न जिलों में जिलाधिकारी सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। इसके अलावा आवास, ग्रामीण विकास और औद्योगिक विकास से जुड़े विभागों में भी काम करने का अनुभव रखते हैं। ग्रेटर नोएडा में नए सीईओ के सामने सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में किसानों की समस्याओं का समाधान शामिल रहेगा। आबादी भूखंड, अतिरिक्त मुआवजा, लंबित मामलों और जमीन अधिग्रहण से जुड़े मुद्दों को लेकर किसान लंबे समय से प्राधिकरण के चक्कर लगा रहे हैं। ऐसे में किसानों को उम्मीद है कि नए सीईओ उनकी समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए प्रभावी समाधान की दिशा में कदम उठाएंगे। ग्रेटर नोएडा वेस्ट सहित शहर के विभिन्न इलाकों में फ्लैट खरीदारों को रजिस्ट्री, बिल्डर–बायर्स विवाद, अधूरी सुविधाओं और मूलभूत समस्याओं से जूझना पड़ रहा है।

कई सोसायटियों में सड़क, सीवर, पानी, सुरक्षा और साफ–सफाई जैसे मुद्दे भी लगातार उठते रहे हैं। ऐसे में लोगों को उम्मीद है कि नए सीईओ इन समस्याओं के समाधान के लिए ठोस पहल करेंगे। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में बढ़ता ट्रैफिक जाम, सार्वजनिक परिवहन की कमी, खराब सड़कें और जलभराव जैसी समस्याएं शहरवासियों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई हैं। शहर के तेजी से विस्तार के साथ बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाना भी नए सीईओ के लिए बड़ी जिम्मेदारी होगी। इसके अलावा औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देना, रोजगार के अवसर बढ़ाना, विकास परियोजनाओं को समयबद्ध पूरा करना, हरित क्षेत्र का संरक्षण और प्राधिकरण की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाना भी महत्वपूर्ण अपेक्षाओं में शामिल हैं। ग्रेटर नोएडा के नागरिकों को उम्मीद है कि नए सीईओ के कार्यकाल में प्राधिकरण और आम जनता के बीच संवाद बेहतर होगा। जनसुनवाई को प्रभावी बनाने, शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करने और अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की दिशा में भी कदम उठाए जाएंगे। डॉ. बलकार सिंह के सामने केवल शहर के विस्तार और नई परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की चुनौती नहीं है, बल्कि पहले से विकसित क्षेत्रों में नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने और वर्षों से लंबित समस्याओं का समाधान करने की जिम्मेदारी भी है। अब शहरवासियों की निगाहें इस बात पर रहेंगी कि नए सीईओ की प्राथमिकताएं क्या रहती हैं और उनके कार्यकाल में ग्रेटर नोएडा को कितनी राहत मिलती है।

किसानों का लंबित मांगों को लेकर प्रदर्शन

नोएडा,संवाददाता। भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले किसानों ने नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ सेक्टर–96 स्थित मुख्य प्रशासनिक भवन के गेट पर ध ारना दिया। किसानों की मांगों को लेकर जारी विरोध प्रदर्शन के बीच प्राधिकरण की ओर से जनसुनवाई शुरू की गई। इसमें किसानों की समस्याएं सुनी जा रही है। किसान पिछले कई वर्षों से लंबित मांगों को पूरा करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि अधिकारियों के साथ कई बार वार्ता और ज्ञापन देने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हुआ है। संगठन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुनील प्रधान ने कहा कि नोएडा प्राधि ाकरण क्षेत्र में किसानों की मांगों को लेकर मोर्चाबंदी हो चुकी है। किसान पिछले पांच साल से अधिकारियों के साथ वार्ता कर रहे हैं। कई बार ज्ञापन भी दिए



गए, लेकिन अब तक मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई। अब किसान केवल आश्वासन नहीं, बल्कि अपनी मांगों का समाधान चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इस बार मांगें पूरी कराए बिना किसान वापस नहीं लौटेंगे।

उन्होंने कहा नोएडा की स्थापना के लिए वर्ष 1976 में किसानों की जमीन अर्जेसी क्लॉज के तहत बेहद कम दर पर अधिग्रहित की गई थी। आज उसी जमीन की कीमत लाखों रुपये प्रति वर्गमीटर तक पहुंच गई है, लेकिन जमीन देने वाले कई किसानों को अब तक विकसित भूखंड नहीं मिले हैं। प्राधिकरण की ओर से समय–समय पर भूखंड आवंटन की योजनाएं लाई गईं, लेकिन बड़ी संख्या में पात्र किसान इनका लाभ पाने से वंचित रह गए। किसानों की मांग है कि वर्ष 1976 से 1997 तक जमीन देने वाले किसानों को भी पांच प्रतिशत विकसित भूखंड का लाभ दिया जाए। इसके अलावा किसानों ने बिल्डरों और आम किसानों के निर्माण पर प्राधिकरण की कार्रवाई में भेदभाव का आरोप लगाया। प्राधिकरण की जनसुनवाई केंद्र में किसानों से बातचीत की जा रही है।

पुलिस कार्रवाई से नाराज ग्रामीणों ने जाम लगाया

ग्रेटर नोएडा,संवाददाता। जेवर कोतवाली क्षेत्र के बंकापुर गांव में फायरिंग के मामले में पुलिस कार्रवाई से असंतुष्ट ग्रामीणों ने बुधवार दोपहर करीब 2 बजे जाम लगा दिया। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाया। इसके बाद जाम खुलवाकर यातायात शुरू कराया गया। फायरिंग मंगलवार सुबह 10 बजे हुई थी। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने उनके परिवार के कई लोगों को आरोपी बनाकर जेल भेज दिया, जबकि उनकी शिकायत पर दूसरे पक्ष के खिलाफ अब तक कार्रवाई नहीं की गई। इसी के विरोध में उन्होंने सड़क पर जाम लगाया। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार को बंकापुर गांव में दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। पुलिस ने बताया कि अन्य शिकायतों और आरोपों की जांच की जा रही है। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा में शामिल होने के बाद अनिल यादव का समर्थकों ने स्वागत किया

बांदा,संवाददाता। पूर्व सीबीआई अधिकारी अनिल यादव भाजपा में शामिल होने के बाद पहली बार बबेरू पहुंचे। लखनऊ से आए यादव बांदा से होते हुए बबेरू के बेरांव में कैलाशपति इंटर कॉलेज के पास पहुंचे। उनके साथ ब्लैक कमांडो और कारों का काफिला था। बेरांव–दतौरा के निवासी और पत्रकार श्यामलाल यादव तथा अंडोली के संतोष कुमार (एसके फ्लॉवर डेकोरेशन) के नेतृत्व में स्थानीय युवाओं, दुकानदारों और पदाधिकारियों ने फूलमालाओं से उनका स्वागत किया। बेरांव मार्केट के व्यापारी, कार्यकर्ता और गांव के लोग भी मौजूद थे। स्वागत के दौरान लोगों ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य बुनियादी जरूरतें हैं।

उन्होंने अनिल यादव के साथ बबेरू–कमासिन क्षेत्र में इन मुद्दों पर काम करने और बदलाव की दिशा में आगे बढ़ने की बात कही। यादव ने कहा कि राष्ट्रवाद और विकास की विचारधारा से प्रेरित होकर उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ली है। पार्टी में शामिल होने के बाद वह पहली बार अपनी कर्मभूमि बबेरू विधानसभा आए हैं। उन्होंने लोगों के स्नेह, आशीर्वाद और मार्गदर्शन को जरूरी बताया। कार्यक्रम में लोगों से संवाद हुआ। आयोजकों ने मौजूद लोगों का आभार जताया और बबेरू के विकास व जनकल्याण के लिए साथ काम करने की बात कही।

झांसी जाते समय कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा का स्वागत

उरई/जालौन,संवाददाता। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा उर्फ मोना मिश्रा का बुधवार दोपहर जालौन के कालपी में स्वागत किया गया। वह झांसी में होने वाली बैठक में शामिल होने जा रही थीं। दुर्गा मंदिर चौराहे पर जुटे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूल–मालाएं पहनाईं और नारे लगाए। झांसी–कानपुर नेशनल हाईवे–27 पर कालपी की सीमा में उनका काफिला पहुंचा तो सड़क किनारे कतार में खड़े कार्यकर्ताओं ने पार्टी के झंडे लहराकर स्वागत किया। ढोल–नगाड़े बजाए गए और गेंदे व गुलाब के फूलों की मालाएं पहनाई गईं। कार्यक्रम के दौरान पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। स्थानीय नेताओं और पार्टी पदाधिकारियों ने भी स्वागत में हिस्सा लिया। स्वागत कार्यक्रम में राठ के पूर्व विधायक और बुंदेलखंड प्रभारी गयादीन अनुरागी, कालपी विधानसभा के पूर्व विधायक प्रतिनिधि सुरेंद्र सिंह सरसेला सोशल मीडिया प्रदेश संयोजक आदित्य नगाइच, कालपी नगर अध्यक्ष अखिलेश अहिरवार, मोहनलाल श्रीवास और राहुल प्रजापति मौजूद रहे। इनके अलावा कांग्रेस के नेता, पदाधि ाकारी और कार्यकर्ता भी शामिल हुए।

कर्मचारियों ने प्रमुख अभियन्ता सिंचाई एवं जल संसाधन कार्यालय पर धरना दिया

लखनऊ,संवाददाता। पूर्व निध ारित कार्यक्रम के अनुसार आज 5 सूत्रीय मांगों को लेकर कार्यालय प्रमुख अभियन्ता सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग उ0प्र0 लखनऊ के गेट न0– 02 पर धरना दिया गया। धरने की अध्यक्षता कृतार्थ सिंह प्रान्तीय अध्यक्ष द्वारा किया गया तथा संचालन गोबर्धन सिंह महामंत्री एवं प्रभुदयाल श्रीवास्तव द्वारा किया गया। धरने में पूरे प्रदेष से हजारों कर्मचारियों ने भाग लिया। धरने को सम्बोधित करते हुए सर्वश्री जगदीष सिंह पाल, अजय कुमार यादव, चौधरी सूखवीर सिंह, सन्त कुमार सिंह, सतयुगी सिंह, मो0हसन परवेज़, अमर गुप्ता, रामचन्द्र गुप्ता, मो0 सकील, विनोद कुमार सचान, अलकेष कुमार मिश्रा, नीरज कुमार भटनागर, दिनेष कुमार भटनागर, विमल कुमार, षिव कुमार, सन्दीप शर्मा, कृष्ण कुमार, संजीव कुमार श्रीवास्तव, अषीष कुमार गंगवार, अंकुष रस्तोगी, श्यामबरन पाल, बृजमोहन, नन्दू चौहान, परमराज गौतम, अनवार अहमद, पुनीत चोपड़ा, सन्तोष कुमार वर्मा, रामआनन्द सोनकर, अमित कुमार, अनुपम कुमार दूबे, उमपति मिश्रा, चमन लाल भारती, देवराज, सुरेन्द्र कुमार सैनी, सन्तोष कुमार तिवारी, देवेन्द्र निरंजन, राकेष कुमार, शैलेन्द्र कुमार, केदार सिंह, प्रषान्त दीक्षित, अजीत कुमार पाण्डे, प्रवीन सक्सेना, आदि ने अपने सम्बोधन में कहा कि विभाग की लापरवाही के कारण कर्मचारियों की प्रोन्नति सहित अन्य मांगे जो नियमानुसार है में कार्यवाही न कर कर्मचारियों के उत्पीड़न का कार्य किया जा रहा है। एवं श्री अजय सिंह मुख्य संरक्षक एवं सलाहकार ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रदेष के सभी प्रकार के कर्मचारियों की प्रोन्नति के उपरान्त ही प्रोन्नति वेतन का लाभ मिल जाता है, परन्तु विभागीय अधि ाकारियों की लापरवाही की वजह से खण्डीय सम्वर्ग के प्रोन्नति प्राप्त लिपिकों को पदस्थापना के उपरान्त वेतन का लाभ दिया जाता है जो नियम विरूद्ध है। कर्मचारियों की प्रोन्नति न होने के कारण प्रोन्नति वेतन का लाभ नही मिल पा रहा है ।

यादव समाज ने अहीर रेजिमेंट की मांग पर प्रदर्शन किया

बहराइच,संवाददाता। बुधवार दोपहर 12 बजे यादव समाज ने सेना में अहीर रेजिमेंट बनाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने 1962 के भारत–चीन युद्ध में शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। यादव समाज बहराइच के बैनर तले हुए प्रदर्शन में लोगों ने पीले पोस्टर लिए थे। उन पर 'अहीर रेजिमेंट हक है हमारा' और 'अहीर रेजिमेंट लागू करो' लिखा था। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी भी की। इसके बाद प्रदर्शनकारी कलक्ट्रेट पहुंचे और राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट राजेश प्रसाद को सौंपा। उन्होंने प्राथमिक विद्यालयों के पाठ्यक्रम में वीर अहीर सैनिकों का इतिहास और उनके बलिदान शामिल करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने वीर शहीदों की याद में अलग–अलग जगहों पर स्मारक बनाने की मांग भी रखी। उन्होंने पूर्व रक्षा मंत्री और दिवंगत नेता मुलायम सिंह यादव को भारत रत्न देने की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि मुलायम सिंह यादव ने रक्षा मंत्री रहते हुए सेना और सैनिकों के हित में काम किए थे। उनके कार्यकाल में शहीद सैनिकों के पार्थिव शरीर पूरे सम्मान के साथ उनके घर पहुंचाने की व्यवस्था की गई थी। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं हुआ तो आंदोलन को और बड़े स्तर पर चलाया जाएगा। इस मौके पर रामजी यादव, नंदेश्वर यादव समेत समाज के कई लोग मौजूद रहे।

किसान एकता संघ ने कोतवाली प्रभारी के खिलाफ ज्ञापन दिया

ग्रेटर नोएडा,संवाददाता। दनकौर कस्बे में किसान एकता संघ के पदाधिकारियों ने बुधवार दोपहर 2 बजे एसीपी डॉ. रविशंकर को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने कोतवाली प्रभारी मनोज सिंह के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। किसान एकता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौध ारी सोरन प्रधान ने आरोप लगाया कि दनकौर पुलिस कमजोर लोगों पर अत्याचार कर रही है और कुछ लोगों को व्यक्तिगत रूप से निशाना बना रही है। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई सभी के विरुद्ध समान रूप से होनी चाहिए। एडवोकेट उमेश भाटी ने कहा कि मंगलवार तक संगठन की समस्याओं का समाधान किया जाए। ऐसा नहीं होने पर किसान एकता संघ दनकौर कोतवाली का घेराव करेगा। संगठन ने एसीपी को कोतवाली प्रभारी की आय की जांच कराने की मांग का ज्ञापन देने की बात भी कही। इस दौरान संगठन के कैंप कार्यालय पर पुलिस की कार्यशैली से परेशान कई लोग मौजूद रहे। पदाधिकारियों ने कहा कि समस्याएं नहीं सुलझीं तो आंदोलन तेज किया जाएगा। इस मौके पर बीर सिंह नेताजी, गबरी मुखिया, पप्पे नागर, देशराज नागर, राज सिंह ठेकेदार, जगदीश शर्मा, रवि नागर, श्रीकृष्ण बैंसला, मह्रेंद्र कसाना, पवन भाटी, वनीस प्रधान, विक्रम नागर और उमेद एडवोकेट सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

दुकान में आग लगी,सामान जला

नोएडा,संवाददाता। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में एक दुकान में आग लग गई। दुकान में रखा सामान जल गया। दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। टीम ने रेस्क्यू का काम भी शुरू किया। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट होने की आशंका है। मामला सेंट्रल नोएडा के यासुपुर चकसावेरी, थाना बिसरख क्षेत्र का है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना बिसरख क्षेत्रांतर्गत यूसुफपुर चक शाहबेरी में स्थित एक मकान में आग लगने की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल मौके पर पहुंची फायर सर्विस यूनिट व स्थानीय पुलिस द्वारा आग को पूर्ण रूप से बुझा दिया गया है। आग लगने के कारण दो व्यक्ति 1–मोनू केवट उम्र 25 वर्ष 2–गुड्डू केवट उम्र 32 वर्ष घायल हो गये है, जिनको रेस्कूय करते हुए तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा0, मंडल रेल प्रबंधक, हजरतगंज, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

1.	ई–निविदा सूचना सं0	1225–वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता उत्तर रेलवे – लखनऊ दिनांक– 18.11.2026
2.	कार्य का नाम	लखनऊ मंडल के अंतर्गत विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर सहायता बूथों, टैक्टाइल पथ, पार्किंग एवं टिकट बूथों की व्यवस्था कार्य तथा प्लेटफार्मों एवं मरीशालयों के शौचालयों, वाटर बूथों एवं दिव्यांगजन शौचालयों में पाइपलाइन के माध्यम से जलापूर्ति की व्यवस्था से संबंधित विद्युत कार्य।
3.	अनुमानित लागत	रु. 95,01,792.24/– (रुपये पचानवे लाख एक हजार सात सौ बानवे एवं चौबीस पैसे मात्र)।
4.	ई–निविदा की कीमत	शून्य
5.	बयाना राशि	रु. 1,90,000/– (रुपये एक लाख नब्बे हजार मात्र)।
6.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह
7.	ई–निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि	दिनांक 11.12.2026 को 15:00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15:00 बजे के बाद वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा0, उत्तर रेलवे, हजरतगंज, लखनऊ के कार्यालय में।
8.	प्रस्ताव की वैधता	ई–निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन।
9.	उत्तर रेलवे की वेबसाइट	अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर देख की जा सकती है।

सं. 1225–वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता – उत्तर रेलवे – लखनऊ दिनांक– 18.11.2026

ग्राहकों की सेवा में सुरक्षान के साथ 4013/26

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/पीएएस, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई ऑक्शन से संबंधित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ0रे0–मण्डल–वाणिज्य/उ0रे0
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	PARKING-LKO-AME-MX-194-26-1 (Parking - Mixed)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	06.11.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	21.11.2026 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	21.11.2026 समय 11:30 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	PARKING-LKO-AYC-TW-185-26-1 (Parking - Two-Wheeler)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	10.11.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (सबसे लॉट)	25.11.2026 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	25.11.2026 समय 11:30 बजे
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

4019/2026

ग्राहकों की सेवा में सुरक्षान के साथ

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबन्धक (इंजी0)/वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु **आनलाईन (ई – टेन्डरिंग) के माध्यम से** ''खुली'' निविदा आमंत्रित करते है। **क्र.सं. (1)** कार्य का नाम : विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर वर्तमान सब–स्टेशन का सुधार/अपग्रेडेशन। (वाराणसी सिटी, आजमगढ़, सलेमपुर, गाजीपुर सिटी, बलिया, सिवान, थावे एवं कप्तानगंज), ई–निविदा सूचना सं0: एनईआर–बीएसबी–2026–150, अनुमानित लागत (₹): 1,65,71,482/–, अमानत राशि (बिड सिक्योरिटी) (₹) : 3,31,400/–, निविदा बन्द होने की तिथि : 09.12.2026, स्वीकृति पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 06 माह। ● निविदा सूचना संख्या एनईआर–बीएसबी–2026–150 दिनांक 09.12.2026 को 11.30 बजे तक आन लाईन जमा कर सकेंगे। ● पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। ● यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अन्तर होता है तो निविदा सूचना मे अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मण्डल रेल प्रबन्धक/(इन्जी0),
मुजाधि/डब्लू– 407 वाराणसी

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।



प्रेगनेंसी के शुरुआती 3 महीने थे बहुत कठिन : कियारा आडवाणी

अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने अपने गर्भावस्था के अनुभव के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि शुरुआती कुछ मुश्किल महीनों में उन्हें अपने जीवन की अन्य महिलाओं से किस तरह का सपोर्ट और समझ मिली। कियार एक बच्चे की मां हैं। उन्होंने फिल्म निर्माता करण जौहर के चौट शो कॉफी विद करण में अपनी गर्भावस्था के सफर के बारे में बात की थी। उन्होंने बताया कि शुरुआती महीने काफी चुनौतीपूर्ण थे, क्योंकि उन्हें जी मिचलाने और हार्मोनल बदलावों का सामना करना पड़ा था। शो के दौरान कियारा ने कहा था, शुरुआती तीन महीने बहुत कठिन थे। आपको जी मिचलाने की समस्या और कई तरह के हार्मोनल बदलावों से गुजरना पड़ता है। यह याद करते हुए कि कैसे उन्होंने और उनके पति सिद्धार्थ मल्होत्रा ने शुरुआत में किसी को भी गर्भावस्था के बारे में न बताने का फैसला किया था, कियारा ने बताया कि जल्द ही उन्हें एहसास हुआ कि उन्हें अपने आस–पास की महिलाओं के सहारे की जरूरत है। उन्होंने बताया, उस समय हमने सोचा था कि हम किसी को नहीं बताएंगे। लेकिन फिर मैंने कहा, नहीं सिड, मुझे अपनी मां से बात करनी है, मुझे अपनी सास की जरूरत है। मुझे महिलाओं की जरूरत है। मुझे अपने जीवन में ऐसी महिलाओं की जरूरत है जो मुझे समझ सकें। अभिनेत्री ने कहा कि महिलाओं के बीच साझा किए गए ऐसे अनुभवों ने उन्हें इस नाजुक दौर में काफी सुकून दिया। उन्होंने कहा, मुझे याद है कि कभी–कभी मैं अपनी सहेलियों के साथ बैठकर रोती थी और वे बस मुझे वैसे ही रहने देती थीं (बिना कुछ कहे मुझे सहारा देती थीं)। और फिर, जिंदगी खूबसूरत हो जाती है। कियारा 7 अक्टूबर को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अपनी दूसरी गर्भावस्था की घोषणा भी कर चुकी हैं। अपनी बेटी साराया के छोटे से हाथ की एक तस्वीर साझा करते हुए, जिसमें उसने बच्चों के मोजे पकड़े हुए हैं, उन्होंने लिखा, हमें एक बार फिर सबसे बड़ा उपहार मिला है। हमारा दिल प्यार और कृतज्ञता से भरा हुआ है।

तांबे के लोटे में पानी पीते हैं तो इन गलतियों से बचें, वरना फायदे की जगह हो सकता है नुकसान

तांबे के बर्तन में पानी रखकर पीना भारतीय घरों में लंबे समय से चली आ रही परंपरा है। कई लोग सुबह उठकर तांबे के लोटे या गिलास में रखा पानी पीते हैं और इसे सेहत के लिए फायदेमंद मानते हैं। माना जाता है कि तांबे के संपर्क में रहने से पानी में मौजूद कुछ हानिकारक बैक्टीरिया कम



हो सकते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि तांबे का पानी जितना ज्यादा पिया जाए, उतना ही फायदा होगा। तांबे के बर्तन का इस्तेमाल करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। खासकर पानी को बहुत लंबे समय तक तांबे के संपर्क में रखना या जरूरत से ज्यादा तांबे का पानी पीना सही नहीं माना जाता।

तांबे के बर्तन में पानी बहुत देर तक न रखें

कई लोग रात में तांबे के लोटे में पानी भरकर रख देते हैं और सुबह उसे पीते हैं। अगर ऐसा करते हैं तो पानी को लंबे समय तक तांबे के संपर्क में रखने की आदत न बनाएं। पानी में तांबे की मात्रा कई चीजों पर निर्भर कर सकती है, जैसे पानी की प्रकृति, तापमान और कितनी देर तक पानी बर्तन के संपर्क में रहा। इसलिए तांबे के बर्तन को सामान्य पानी के स्टोरेज कंटेनर की तरह इस्तेमाल करने के बजाय सीमित और उचित तरीके से इस्तेमाल करना बेहतर है।

जरूरत से ज्यादा तांबे का पानी न पिएं

तांबा शरीर के लिए जरूरी खनिज है, लेकिन इसकी जरूरत बहुत कम मात्रा में होती है। ज्यादा मात्रा में तांबा शरीर में पहुंचने पर मतली, उल्टी, पेट दर्द और दस्त जैसी परेशानियां हो सकती हैं। इसलिए तांबे के पानी को दिनभर सामान्य पानी की तरह बार–बार पीने की जरूरत नहीं है। रोजाना कितनी मात्रा आपके लिए ठीक है, यह व्यक्ति की सेहत और आहार पर भी निर्भर करता है।

तांबे के बर्तन में खट्टी चीजें रखने से बचें

तांबे के बर्तन में नींबू, इमली, सिरका, अचार या दही जैसी खट्टी चीजें रखने से बचना चाहिए। अम्लीय खाद्य पदार्थ तांबे के साथ प्रतिक्रिया कर सकते हैं और भोजन या पेय में तांबे की मात्रा बढ़ा सकते हैं। इसलिए तांबे के बर्तन का इस्तेमाल मुख्य रूप से पानी रखने के लिए ही करना बेहतर है और उसमें खट्टी चीजें स्टोर नहीं करनी चाहिए।

तांबे के बर्तन की सफाई भी है जरूरी

तांबे के बर्तन को नियमित रूप से साफ रखना जरूरी है। इस्तेमाल के बाद उसे अच्छी तरह धोकर सुखाएं और उसमें गंदा या बासी पानी जमा करके न रखें। अगर बर्तन की अंदरूनी सतह पर हरी या नीली परत जम गई है, तो उसे साफ किए बिना इस्तेमाल न करें।

किन लोगों को ज्यादा सावधानी रखनी चाहिए

अगर आपको पहले से लिवर या किडनी से जुड़ी कोई समस्या है, शरीर में तांबे के स्तर से जुड़ी बीमारी है या आप नियमित रूप से कोई दवा लेते हैं, तो तांबे के पानी को अपनी दिनचर्या में शामिल करने से पहले डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर है। ध्यान रखें तांबे के बर्तन में पानी पीना किसी बीमारी का इलाज नहीं है। अगर किसी स्वास्थ्य समस्या के लक्षण हैं, तो घरेलू उपायों पर निर्भर रहने के बजाय डॉक्टर से उचित जांच और सलाह लेना जरूरी है।

सुबह की इन आदतों से रखें 'गुर्दों' का ख्याल, दिन की शुरुआत में ही करें ये छोटे बदलाव

सुबह की शुरुआत जिस तरह होती है, उसका असर आपकी पूरी दिनचर्या पर पड़ सकता है। रातभर सोने के दौरान शरीर को पानी नहीं मिलता, ऐसे में सुबह उठने पर हल्की डिहाइड्रेशन यानी शरीर में पानी की कमी महसूस हो सकती है। यही वजह है कि सुबह उठते ही कुछ छोटी–छोटी आदतों पर ध्यान देना जरूरी है। ये आदतें न सिर्फ शरीर को दिनभर सक्रिय रखने में मदद कर सकती हैं, बल्कि किडनी यानी गुर्दों की सेहत का भी ख्याल रखने में सहायक हो सकती हैं। किडनी हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी अंग है। यह खून को फिल्टर करने, शरीर से अपशिष्ट पदार्थ बाहर निकालने और शरीर में पानी व कई जरूरी खनिजों का संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती है। इसलिए रोजमर्रा की कुछ आदतों को लेकर सावधानी बरतना जरूरी है।

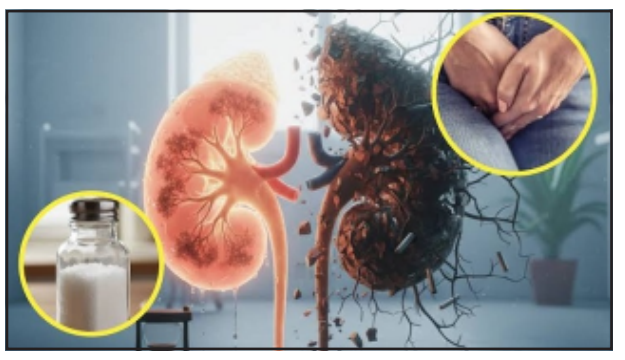
सुबह उठते ही पिएं पानी

सुबह आंख खुलने के बाद एक गिलास पानी पीना दिन की अच्छी शुरुआत हो सकती है। रातभर पानी न पीने के कारण शरीर में तरल पदार्थ की थोड़ी कमी हो सकती है। ऐसे में सुबह चाय या कॉफी लेने से पहले पानी पीने की आदत डाली जा सकती है। हालांकि, हर व्यक्ति के शरीर की पानी की जरूरत एक जैसी नहीं होती। मौसम, उम्र, शारीरिक गतिविधि और स्वास्थ्य जैसी कई चीजों के आधार पर पानी की जरूरत बदल सकती है। इसलिए जबरदस्ती जरूरत से ज्यादा पानी पीने की बजाय शरीर की जरूरत के अनुसार तरल पदार्थ लेना बेहतर है।

पेशाब को ज्यादा देर तक रोकने की आदत छोड़ें

रातभर सोने के दौरान ब्लैडर में पेशाब जमा हो जाता है। इसलिए सुबह उठने के बाद पेशाब कर लेना बेहतर माना जाता है। सिर्फ सुबह ही नहीं, बल्कि दिनभर भी पेशाब की इच्छा होने पर उसे लंबे समय तक रोकने की आदत से बचना चाहिए। बार–बार या लंबे समय तक पेशाब रोकना अच्छी आदत नहीं है। अगर पेशाब से जुड़ी कोई परेशानी लगातार बनी हुई है, जैसे बार–बार पेशाब आना, पेशाब करते समय दर्द या जलन होना, तो इसे सामान्य समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

खाली पेट दर्द की दवा लेने से बचें



सिरदर्द, बदन दर्द या किसी दूसरी तकलीफ में कई लोग खुद से दर्द की दवा ले लेते हैं। कभी–कभार दवा लेने से ज्यादा चिंता की बात नहीं होती, लेकिन दर्दनिवारक दवाओं का बार–बार या गलत तरीके से इस्तेमाल किडनी के लिए नुकसानदायक हो सकता है। खासकर अगर किसी व्यक्ति को पहले से किडनी की बीमारी, हाई ब्लड प्रेशर या दूसरी स्वास्थ्य समस्या है, तो बिना डॉक्टर की सलाह के दवाएं लेना ठीक नहीं है। किसी भी दवा को डॉक्टर द्वारा बताए गए तरीके और मात्रा के अनुसार ही लेना चाहिए।

सुबह टहलना, योग या एक्सरसाइज करना सेहत के लिए अच्छी आदत है। लेकिन वर्कआउट के दौरान पसीना निकलने से शरीर में पानी की कमी हो सकती है। इसलिए एक्सरसाइज के बाद अपनी जरूरत के अनुसार पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है। अगर आप लंबे समय तक या ज्यादा मेहनत वाली एक्सरसाइज करते हैं और काफी पसीना निकलता है, तो शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी पर भी ध्यान देना चाहिए। हालांकि, हर व्यक्ति के लिए जरूरत अलग हो सकती है।

नाश्ता करने की आदत डालें

व्यस्त जीवनशैली और वजन कम करने की कोशिश में कई लोग सुबह का नाश्ता छोड़ देते हैं। हालांकि, सिर्फ किडनी को स्वस्थ रखने के लिए नाश्ता जरूरी है, ऐसा कहना सही नहीं होगा। लेकिन दिन की शुरुआत संतुलित और पौष्टिक भोजन से करना पूरे शरीर की सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है। नाश्ता छोड़ने के बाद कुछ लोगों को दिन में बहुत ज्यादा भूख लग सकती है और वे बाद में ज्यादा तला–भुना या अस्वास्थ्यकर खाना खा लेते हैं। इसलिए अपनी जरूरत और स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार पौष्टिक नाश्ता करना बेहतर विकल्प हो सकता है।

किडनी को स्वस्थ रखने के लिए दिनभर इन बातों का रखें ध्यान

किडनी की सेहत केवल सुबह की कुछ आदतों पर निर्भर नहीं करती। इसके लिए पूरे दिन की जीवनशैली भी महत्वपूर्ण है। पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ लेना, संतुलित आहार खाना, नियमित शारीरिक गतिविधि करना और जरूरत से ज्यादा नमक खाने से बचना जैसी आदतें शरीर के लिए अच्छी रहती हैं। इसके अलावा डॉक्टर की सलाह के बिना दवाओं का लगातार इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

अपेक्षा पोरवाल ने जेलर–2 में रजनीकांत के साथ अपने अनुभव को बताया सपने के सच होने जैसा

अभिनेत्री अपेक्षा पोरवाल इन दिनों रजनीकांत स्टारर फिल्म जेलर 2 में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में फिल्म में सुपरस्टार के साथ काम करने के अनुभव, एक्शन से भरपूर रोल की तैयारी के बारे में बात की। अभिनेता ने सुपरस्टार रजनीकांत के साथ काम करने के अनुभव को स्पेशल पल बताया। उन्होंने कहा, रजनीकांत भारत के सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं और उनके साथ स्क्रीन शेयर करना और काम करने का मौका मिलना मेरे लिए सच में किसी सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने आगे कहा, जेलर 2 में काम करना कमाल का अनुभव था। आप किसी भी कलाकार का नाम लें, वे सभी जमीनी स्तर से जुड़े हैं। फिर, चाहे वो मिथुन सर हों, रजनीकांत सर, विद्या मैम या राम्या कृष्णन मैम, सभी बहुत ही उम्दा कलाकार हैं और वे हमेशा इस बात का ध्यान रखते हैं कि उनका सह–कलाकार कंफर्टेबल फील करे। मुझे लगता है कि जो लोग जितने ज्यादा बड़े और स्थापित होते हैं, वो असल जिंदगी में उतने ही सरल और दयालु होते हैं। उनके साथ काम करना सच में बहुत अच्छा लगता है। फिल्म में अभिनेत्री का छोटा, लेकिन एक्शन से भरपूर किरदार है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अपेक्षा पोरवाल ने कहा, फिल्म में मेरा किरदार एक तरह से घातक महिला का है, जो मिथुन सर के किरदार वाले विलेन के परिवार को फंसाती है और रजनीकांत सर के परिवार को बचाती है, तो वह एक असैसिन है। मुझे मार्शल आर्ट्स की थोड़ी बेसिक ट्रेनिंग भी है, जिसमें कटाना (जापान की एक पारंपरिक, हल्की घुमावदार और एक धार वाली लंबी तलवार) और नंचक्स शामिल हैं। इस फिल्म में मैं कटाना और गन का इस्तेमाल करती हूं। अभिनेत्री ने बताया कि इस फिल्म में परफॉर्मेंस से पहले उन्होंने तीन दिन तक इंटेंस एक्शन ट्रेनिंग की थी। उन्होंने कहा, हमने पूरी एक्शन कोरियोग्राफी सीखी। इसके अलावा, मैंने अपनी जनरल फिटनेस पर भी ध्यान दिया। मैं आमतौर पर हफ्ते में कम से कम पांच दिन जिम जाती हूं। चेन्नई शेड्यूल के दौरान मेरा रूटीन काफी बिजी था। मैं शूट के बाद जिम जाती थी, फिर कार्डियो के लिए स्विमिंग और फिर स्टीम सेशन।



बीबीएल 16: मार्नस लाबुशेन ब्रिस्बेन हीट के साथ लगातार 11वां सीजन खेलेंगे

ब्रिस्बेन, एजेंसी। बिग बैश लीग के 16वें सीजन के लिए ब्रिस्बेन हीट ने मार्नस लाबुशेन को रिटेन किया है। लाबुशेन लगातार 11वां सीजन ब्रिस्बेन हीट के लिए खेलेंगे। री–साइन किए गए खिलाड़ियों में लाबुशेन को क्रिस लिन के साथ रखा गया है। क्वींसलैंड क्रिकेट के जनरल मैनेजरकृहाई परफॉर्मेंस बेनेट किंग ने कहा कि लाबुशेन का अनुभव और कॉम्पिटिटिव अप्रोच हीट के लिए टूर्नामेंट की तैयारी में बहुत काम आएगा।

किंग ने कहा, मार्नस जब भी हीट के लिए खेलते हैं तो अपना शत–प्रतिशत देते हैं। ऐसा बहुत कम है, जो उन्होंने अपने करियर में अब तक क्रिकेट के मैदान पर अनुभव न किया हो। उनकी विविध स्किल्स हमें विरोधी लाइन–अप के खिलाफ मैच–अप और हमारे ओवरऑल स्क्वॉड में संतुलन देंगी। हीट ने युवा तेज गेंदबाज टॉम बाल्किन



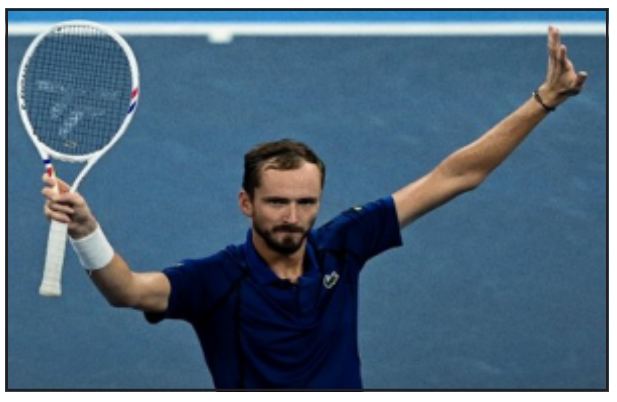
और ओली पैटरसन को शामिल करके अपनी 18–सदस्यीय टीम में बची हुई जगहें भी भर ली हैं। दोनों खिलाड़ियों ने पिछले सीजन में अच्छा प्रदर्शन किया था। 22 साल के बाल्किन ने पिछले सीजन के पांच मैचों में छह विकेट लिए थे। पैटरसन, जो 20 साल के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं, ने पिछले सीजन में तीन मैचों में चार विकेट लिए थे। पैटरसन ने घरेलू सर्किट में भी शानदार प्रदर्शन किया है और लगातार दूसरे सीजन में टी20 मैक्स टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। दोनों युवा खिलाड़ियों ने क्वींसलैंड के लिए डोमेस्टिक वनडे कप में अपना लिस्ट ए डेब्यू किया है, जबकि बाल्किन ने शेफील्ड शील्ड मैच में भी हिस्सा लिया है।किंग ने कहा, मार्नस जैसे बहुत अनुभवी खिलाड़ी और टॉम और ओली जैसे दो युवा तेज गेंदबाज, जिन्होंने बीबीएल में पहले ही दिखा दिया है कि वे क्या कर सकते हैं, के साथ अपनी स्क्वॉड को पूरा कर पाना हमें अगले महीने होने वाले कॉम्पिटिशन में एक मजबूत स्थिति में रखता है। ब्रिस्बेन पिछले एडिशन में पांचवें स्थान पर रहा था और रेगुलर सीजन के आखिरी मैच तक फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में बना रहा। अगले महीने जब नया कैंपेन शुरू होगा तो वे उस फिनिश को बेहतर करने की कोशिश करेंगे।

श्रीलंका की पहली पारी 98 पर सिमटी

नयी दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच रावलपिंडी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में मंगलवार से सीरीज का दूसरा और आखिरी टेस्ट शुरू हुआ। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला करते हुए श्रीलंका को पहली पारी में 98 रन पर समेटकर मैच में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत बहुत खराब रही। टीम ने 6 के स्कोर पर अपना पहला विकेट गंवाया और देखते ही देखते ही 36 के स्कोर पर 5 विकेट गंवा बैठी। इसके बाद कप्तान कुसाल मेंडिस और सोनल दिनुशा ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने छठे विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 85 तक पहुंचाया। इस जोड़ी के टूटते ही श्रीलंकाई पारी 35.3 ओवरों में 98 रन पर सिमट गई।

मेदवेदेव ने एटीपी फाइनल्स के पहले मैच में कोबोली को हराया

ट्यूरिन, एजेंसी। डेनियल मेदवेदेव ने इनाल्पी एरिना में स्थानीय खिलाड़ी और डेब्यू कर रहे फ्लेवियो कोबोली को 7–6(4), 6–3 से हराकर अपने एटीपी फाइनल्स कैंपेन की शुरुआत की। मेदवेदेव अपने दूसरे एटीपी फाइनल्स टाइटल की तलाश में हैं। मेदवेदेव ने 2019 से 2024 तक लगातार छह बार एटीपी फाइनल्स में जगह बनाई, जिसमें 2020 का उनका यादगार टाइटल शामिल है। उस मौके पर, उन्होंने ट्रॉफी जीतने के रास्ते में वर्ल्ड नंबर 1 नोवाक जोकोविच, वर्ल्ड नंबर 2 राफेल नडाल और वर्ल्ड नंबर 3 डोमिनिक थिएम को हराया था। 2025 में क्वालिफिकेशन से चूकने के बाद मेदवेदेव ने 2026 सीजन में शानदार वापसी की, चार टूर–लेवल टाइटल जीते और 53 जीत दर्ज कीं। एटीपी टूर पर वर्ल्ड नंबर 1 अलेक्जेंडर ज्वेरेव (66) के बाद यह जीत की दूसरी सबसे बड़ी संख्या है। में सिंगल्स में जीत दर्ज करने वाले चौथे इटैलियन पुरुष बनने की अपनी कोशिश जारी रखना



चौथी वरीयता प्राप्त मेदवेदेव का अगला मुकाबला बुधवार को कार्लोस अल्काराज से होगा। इवान लेंडल ग्रुप में 0–1 से पिछड़ने के बाद, कोबोली अब बेरेटिनी, जानिक सिनर और लोरेंजो मुसेट्टी के साथ इस इवेंट चाहेंगे। उनका अगला मुकाबला फ्रांसेस टियाफो से होगा। इससे पहले, दूसरी वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज ने फ्रांसेस टियाफो को 6–2, 6–2 से हराकर इवान लेंडल ग्रुप में 1–0 की बढ़त बना ली थी।

पीसीबी ने शेन डिट्ज को पाकिस्तान महिला टीम का हेड कोच बनाया

नई , एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर शेन डिट्ज को पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम के हेड कोच के रूप में नियुक्त किया है। शेन डिट्ज वेस्टइंडीज के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज से कार्यभार संभालेंगे। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम का हेड कोच नियुक्त किए जाने के बाद शेन डिट्ज ने कहा, पाकिस्तान महिला टीम का हेड कोच बनकर मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। पाकिस्तान क्रिकेट का इतिहास बहुत शानदार रहा है और मुझे याद है कि जब मैं एक युवा खिलाड़ी था, तो 1992 में ऑस्ट्रेलिया में इंग्लैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप फाइनल में उन्हें चीयर करता था, जो पाकिस्तान क्रिकेट के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी। पीसीबी की तरफ से जारी एक बयान में उन्होंने कहा, 2028 में हम टी20 वर्ल्ड



कप की मेजबानी करेंगे। हमारा मकसद समर्थकों को घरेलू मैदान पर चीयर करने का मौका देना है। वर्ल्ड कप में कॉम्पिटिटिव बने रहने के लिए हमें बहुत काम करना है और हम सभी को खिलाड़ियों और स्टाफ के तौर पर वर्ल्ड–क्लास परफॉर्मेंस देने के लिए विकसित होना होगा। उन्होंने कहा, मैं पहले तीन बार पाकिस्तान का दौरा कर चुका हूं। यहां क्रिकेट के लिए प्यार और जुनून लोगों को अपनी ओर खींचता है। मैं टीम के साथ काम करने के लिए वहां जाने का इंतजार नहीं कर सकता। 51 साल के शेन डिट्ज के पास कोचिंग का लंबा अनुभव है।

आईपीएल 2027 में नहीं खेल पाएंगे ट्रेविस हेड

नयी दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2027 (आईपीएल 2027) से पहले सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को एक बड़ा झटका लगा है। टीम के लिए खेलने वाले ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आईपीएल का अगला सीजन नहीं खेलने का फैसला किया है। हेड ने अपने फैसले की जानकारी एसआरएच मैनेजमेंट को दी है। क्रिकइन्फो की रिपोर्ट के मुताबिक, हेड ने एसआरएच को आईपीएल के अगले सीजन में नहीं खेलने के अपने फैसले के बारे में बताया है। अगले कुछ महीनों में ऑस्ट्रेलिया का इंटरनेशनल शेड्यूल बहुत व्यस्त रहेगा। ट्रेविस हेड इसी वजह से आईपीएल का अगला सीजन नहीं खेल पाएंगे। अगस्त की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने क्रिकइन्फो को बताया था।

चार तेज गेंदबाज और एक स्पिनर, वेलिंगटन टेस्ट में भारत की प्लेइंग इलेवन पर कप्तान गिल का संकेत

वेलिंगटन, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच गुरुवार से 2 टेस्ट मैचों की सीरीज वेलिंगटन में शुरू हो रही है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने संकेत दिया है कि टीम इंडिया 4 तेज गेंदबाजों के साथ उतर सकती है। वेलिंगटन टेस्ट से पहले शुभमन गिल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरने के संकेत दिए। हालांकि, उन्होंने ये स्पष्ट नहीं किया कि चार पूर्ण तेज गेंदबाज होंगे या तीन तेज गेंदबाजों के साथ एक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर को प्लेइंग इलेवन में जगह दी जाएगी। गिल ने कहा, हमने यहां जो टेस्ट मैच देखे हैं, उनमें पहले दो दिन अलग मैच होते हैं और अगले तीन दिन थोड़े अलग मैच होते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, हम एक ऐसा पेस अटैक चाहते हैं जो स्विंग और सीम मूवमेंट के साथ ही पिच के



फ्लैट होने की स्थिति में भी प्रभावी हो। उन्होंने कहा, हम निश्चित रूप से चार तेज गेंदबाजी विकल्प चाहते हैं, लेकिन हम अभी भी तय कर रहे हैं कि वे तेज गेंदबाज कौन से हैं। हमने कई बार तीसरे, चौथे और पांचवें दिन देखा है कि विकेट, खासकर पुरानी गेंद से, थोड़ा फ्लैट हो जाता है, इसलिए हमारी फास्ट–बॉलिंग यूनिट से, हम ऐसा चाहते हैं जिसके पास पेस हो, कोई ऐसा जो लगातार सही एरिया में हिट कर सके, और फिर जाहिर है कि एक छोर से कंट्रोल करने के लिए एक स्पिनर के साथ जाना चाहिए, क्योंकि अगर हवा तेज हो तो हवा के खिलाफ गेंदबाजी करना आसान नहीं होगा। तेज गेंदबाज की भूमिका लगभग आधी हो जाती है, अगर वो हवा के खिलाफ गेंदबाजी कर रहा हो, इसलिए बहुत सारे फैक्टर हैं जिन पर हम ध्यान देंगे। भारत की प्लेइंग इलेवन में रवींद्र जडेजा अकेले स्पिनर हो सकते हैं, जो नंबर 7 पर बल्लेबाजी करेंगे। टीम में बल्लेबाजी ऑर्डर पर गिल ने कहा, हम सात बल्लेबाज देख रहे हैं और फिर आठ और नौ इस पर निर्भर करेंगे। आकाश और अंशुल थोड़ी बल्लेबाजी कर सकते हैं। अगर हम रेड्डी के साथ भी जाते हैं, तो वह एक पूर्ण बल्लेबाज है, इसलिए हम देखेंगे कि हम किस तरह के कॉम्बिनेशन के साथ जाना चाहते हैं और हम असल में क्या करना चाहते हैं।

सरकार ने डीजल और एटीएफ के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स में किया इजाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने ईंधन निर्यात शुल्क में बदलाव करते हुए डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स बढ़ा दिया है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, डीजल निर्यात पर विशेष अतिरिक्ति उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के साथ सड़क एवं बुनियादी ढांचा उपकर को 11.50 रुपए प्रति लीटर से बढ़ाकर 14 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है। वहीं, एटीएफ पर निर्यात शुल्क को 11 रुपए प्रति लीटर से बढ़ाकर 12. 50 रुपए प्रति लीटर कर दिया है। हालांकि, पेट्रोल के निर्यात पर शून्य शुल्क को बरकरार रखा गया है। सरकार के अनुसार, संशोधित दरें 16 नवंबर से तत्काल प्रभाव से लागू हो गई हैं। निर्यात शुल्क पर यह नवीनतम समीक्षा सरकार की 31 अक्टूबर को की गई समीक्षा के बाद आई है। उस समय सरकार ने पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क पूरी तरह हटा दिया था, जबकि डीजल और एटीएफ पर शुल्क बढ़ाया था। उस समय डीजल के निर्यात पर शुल्क 8.50 रुपए प्रति लीटर से बढ़ाकर 11.50 रुपए प्रति लीटर और एटीएफ के निर्यात पर शुल्क 10.50 रुपए प्रति लीटर से बढ़ाकर 11 रुपए प्रति लीटर किया गया था। अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल और रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में होने वाले उतार–चढ़ाव के अनुरूप सरकार ईंधन निर्यात शुल्क को समायोजित करने के लिए हर 15 दिन में समीक्षा करती है। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू–राजनीतिक तनाव के बीच मार्च में ईंधन निर्यात कर दोबारा लागू किए जाने के बाद से इसमें कई बार संशोधन किया गया है।

सेमीकंडक्टर हब के साथ विकसित होगा धोलेरा का शहरी इकोसिस्टम, सीएम भूपेंद्र पटेल ने की समीक्षा

अहमदाबाद, एजेंसी। धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र (डीएसआईआर) के एक्टिवेशन एरिया में 200 बिस्तरों वाला मल्टी–स्पेशियलिटी अस्पताल, एक इंटीग्रेटेड स्कूल, होटल और अन्य नागरिक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। गुजरात अपने उभरते सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग हब के साथ एक पूरी तरह से कार्यशील शहरी इकोसिस्टम तैयार करना चाहता है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को धोलेरा में औद्योगिक, सामाजिक और शहरी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने उन सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया, जो औद्योगिक गतिविधियों के बढ़ने के साथ व्यवसायों, निवेशकों, पेशेवरों और वहां रहने वाले लोगों के लिए जरूरी होंगी। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट (वीजीजीएस) 2027 में भी इस क्षेत्र पर खास फोकस रहने की उम्मीद है।



राज्य सरकार का लक्ष्य हेल्थकेयर, हॉस्पिटैलिटी, शिक्षा, आवास और कमर्शियल इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करना है। समीक्षा की गई परियोजनाओं में 200 बिस्तरों वाला मल्टी–स्पेशियलिटी अस्पताल, एक इंटीग्रेटेड स्कूल, फायर स्टेशन, होटल, गेस्ट हाउस, फूड कोर्ट, टेंट सिटी, और आवासीय व कमर्शियल विकास कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री की पिछली यात्रा के बाद से हुई प्रगति का भी जायजा लिया गया। कई हॉस्पिटैलिटी सुविधाएं पूरी होने के करीब हैं। इनमें 42 कमरों वाला एक गेस्ट हाउस (जिसमें सुइट और कॉन्फ्रेंस सुविधाएं हैं), लगभग 600 लोगों की क्षमता वाला फूड कोर्ट और 50 टेंट वाली एक टेंट सिटी शामिल है। उम्मीद है कि ये सुविधाएं जल्द ही चालू हो जाएंगी। इनका उद्देश्य निवेशकों, व्यापार प्रतिनिधिमंडलों और अन्य आगंतुकों को ठहरने की सुविधा प्रदान करना है। ये परियोजनाएं टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन फैसिलिटी के संदर्भ में विकसित की जा रही हैं। यह एक बड़ा निवेश है, जो धोलेरा के औद्योगिक इकोसिस्टम को मजबूती देने का काम करेगा। कंपनी लगभग 91,000 करोड़ रुपए के निवेश से 12–इंच (300 एमएम) का सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन प्लांट लगा रही है। इस प्लांट में ऑटोमोबाइल, मोबाइल डिवाइस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में इस्तेमाल होने वाली चिप्स का निर्माण होने की उम्मीद है। इस सेमीकंडक्टर परियोजना से सहायक उद्योगों, टेक्नोलॉजी कंपनियों, शोध संस्थानों और आपूर्तिकर्ताओं के भी यहां आने की संभावना है, जिससे कुशल कामगारों और सहायक सेवाओं की मांग बढ़ेगी। केंद्र सरकार ने इस परियोजना के लिए 66.166 हेक्टेयर क्षेत्र में एक विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) अधिसूचित किया है, जिससे लगभग 21,000 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। प्रस्तावित टाउनशिप के मुख्य घटकों में स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा शामिल हैं। धोलेरा के विकास पर केंद्र सरकार की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, यहां 200 बिस्तरों वाले एक अस्पताल का निर्माण चल रहा है।

भारतीय शेयर बाजार सपाट खुला

मुंबई, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत मंगलवार को सपाट हुई। इस दौरान सेंसेक्स 45.83 अंक या 0.06 प्रतिशत की तेजी के साथ 82,150. 62 और निफ्टी 13.80 अंक या 0.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,277.30 पर खुला। मिडकैप और स्मॉलकैप की भी शुरुआत हल्की कमजोरी के साथ हुई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 94.90 अंक या 0.15 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 61,481. 50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 29.60 अंक या 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,411.50 पर खुला। सेंसेक्स पैक में इंडिगो, अदाणी पोर्ट्स, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक, एचयूएल, मारुति सुजुकी, बजाज फिनसर्व, एसबीआई, कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फाइनेंस, ट्रेंट, आईटीसी, टाइटन, आईसीआईसीआई बैंक, एमएंडएम और बीईएल गेनर्स थे।

वित्त मंत्री ने अमेरिकी–भारत रणनीतिक साझेदारी फोरम के प्रतिनिधिमंडल से की मुलाकात, अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली में सोमवार को यूएस–इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम की बैठक के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि दुनियाभर के निवेशकों के लिए भारत एक आकर्षक जगह बनी हुई है। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती देश के बेहतर निवेश माहौल को दर्शाती है। इस दौरान उन्होंने भारत की मजबूत आर्थिक गति और सकारात्मक दृष्टिकोण पर जोर दिया। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस बैठक की जानकारी साझा करते हुए बताया कि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के अनुसार, केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को नई दिल्ली में यूएस–इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) के दौरे पर आए बोर्ड प्रतिनिधिमंडल से



मुलाकात की। बैठक के दौरान वित्त मंत्री ने भारत की मजबूत आर्थिक प्रगति और सकारात्मक भविष्य की संभावनाओं पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती देश के बेहतर निवेश माहौल को दर्शाती है और दुनिया भर के निवेशकों के लिए भारत एक आकर्षक गंतव्य बना हुआ है। वहीं, यूएसआईएसपीएफ के बोर्ड प्रतिनिधिमंडल ने भारत में निवेश जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने विशेष रूप से रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आर एंड डी) समेत विभिन्न क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने में रुचि दिखाई। यह बैठक भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक और कारोबारी सहयोग को और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इससे पहले केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आगामी केंद्रीय बजट 2027–28 की तैयारियों के तहत देश के प्रमुख अर्थशास्त्रियों के साथ पहली प्री–बजट परामर्श बैठक की, जिसका उद्देश्य आगामी बजट के लिए विशेषज्ञों से सुझाव प्राप्त करना और आर्थिक प्राथमिकताओं पर व्यापक चर्चा करना था। वित्त मंत्रालय पहले से ही बजट 2027–28 के लिए विभिन्न उद्योग संगठनों और हितधारकों के साथ परामर्श बैठकों की शृंखला चला रहा है। इन बैठकों का उद्देश्य उद्योग जगत, व्यापार समुदाय और आर्थिक विशेषज्ञों से सुझाव लेकर बजट को अधिक प्रभावी और विकासोन्मुख बनाना है।

एक-दो सप्ताह में जनता से सुझाव मांगेगी सरकार : नायडू

नयी दिल्ली , एजेंसी। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने मंगलवार को कहा कि सरकार एक–दो सप्ताह में सतत विमानन ईंधन (एसएएफ) नीति का मसौदा जनता की टिप्पणियों के लिए जारी करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि एसएएफ देश के लिए आर्थिक अवसर उपलब्ध कराता है। देश में 2040 तक सालाना करीब एक करोड़ टन एसएएफ का उत्पादन करने की क्षमता है, जिसके लिए 70–85 अरब डॉलर के निवेश की जरूरत होगी। सतत विमानन ईंधन (एसएएफ) के इस्तेमाल के लाभों का उल्लेख करते हुए। नायडू ने कहा कि इससे देश के ईंधन आयात बिल को कम करने में मदद मिल सकती है। उद्योग संगठन फिक्की और नागर विमानन मंत्रालय की ओर से आयोजित इंडिया सस्टेनेबल एविएशन समिट में मंत्री ने कहा कि एसएएफ नीति का मसौदा एक–दो सप्ताह में जनता की टिप्पणियों के लिए जारी किया जाएगा।

भारत का बागवानी उत्पादन 2025–26 में 4.36प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 38.69 करोड़ टन रहने का अनुमान

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत का बागवानी उत्पादन फसल वर्ष 2025–26 (जुलाई–जून) में4.36 प्रतिशत बढ़कर 38.69 करोड़ टन रहने का अनुमान है। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को सरकार का तीसरा अग्रिम अनुमान जारी किया। यह उत्पादन 2024–25 में दर्ज 37.07 करोड़ टन से 1.61 करोड़ टन अधिक होगा। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने कहा कि बागवानी फसलों का रकबा एक साल पहले के 3.01 करोड़ हेक्टेयर से घटकर करीब 2. 97 करोड़ हेक्टेयर रहने के बावजूद उत्पादन बढ़ने का अनुमान है। ये आंकड़े राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और अन्य सरकारी एजेंसियों से मिले आंकड़ों पर आधारित हैं। चौहान ने उत्पादन में वृद्धि का श्रेय किसानों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की नीतियों को दिया। उन्होंने कहा कि किसान पारंपरिक फसलों से हटकर फल, सब्जियां, फूल, मसाले, बागान फसलों और औषधीय पौधों की खेती की ओर बढ़ रहे हैं। कृषि मंत्री ने कहा, व्यावसायिक और नकदी फसलों की ओर यह बढ़ता रुझान न केवल किसानों के लिए आय के नए स्रोत खोल रहा है, बल्कि कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और प्रगति के नए अवसर भी पैदा कर रहा है। उन्होंने कहा कि उत्पादन का यह रिकॉर्ड न केवल देश की पोषण सुरक्षा को मजबूत करेगा, बल्कि बागवानी करने वाले किसानों की आय भी सीधे तौर पर बढ़ाएगा।

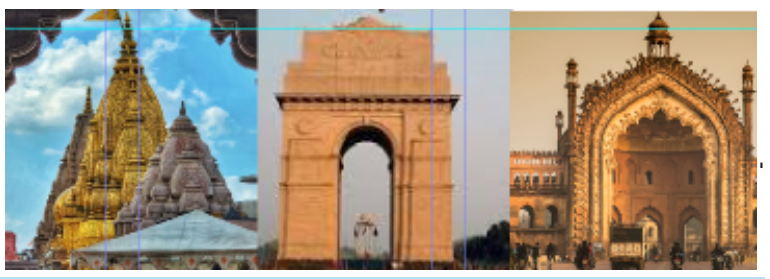
प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक विजय दुबे द्वारा 62, पार्वती नगर, पाण्डेयपुर, वाराणसी से प्रकाशित व काशी प्रिंटर्स, मिन्ट हाउस, वाराणसी से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटाया जायेगा।

फोन : 91 8787220970
91 9839666352
आर.एन.आई.: UPHIN/2008/32231
डाक पंजीयन : जी–2 / न्यूज पेपर / 59 / 2004.
E-mail: lokhastakshep@gmail.com

संपादकः विजय दुबे
कार्यकारी संपादकः दीप्ती दुबे '
संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र

'समाचारों के चयन व संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी

लोक हस्तक्षेप



कौशल आधारित कार्यशाला के प्रथम बैच का सफलतापूर्वक समापन : राजेश खन्ना



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

गुरुग्राम। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी गुरुग्राम सह डाइट प्रिंसिपल सुमिता रांगी के नेतृत्व एवं ट्रेनिंग प्रभारी सोना यादव की देखरेख में कला अध्यापकों के लिए आयोजित कार्यशाला का प्रथम बैच सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस कार्यक्रम के नोडल अधिकारी श्रीमान राजेश खन्ना हैं। डाइट प्राध्यापक डॉ. ओमबीर यादव ने बताया कि कला शिक्षकों के लिए आयोजित 3 दिवसीय कौशल आधारित कार्यशाला के प्रथम बैच का सफलतापूर्वक समापन हो गया। दूसरे बैच का आयोजन 19 नवंबर से 21 नवंबर तक, तीसरे बैच का आयोजन 25 नवंबर से 27 नवंबर तक एवं चौथे बैच का आयोजन 30 नवंबर से 2 दिसंबर तक किया जाएगा। प्रत्येक बैच तीन दिवसीय होगा। सोना यादव ने कहा कि इस तीन दिवसीय कार्यशाला में जो कुछ भी सिखाया गया है, वह आपके विद्यार्थियों तक अवश्य पहुंचना चाहिए। यही इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य है। कला विषय का व्यवसायिक शिक्षा से गहरा संबंध है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति– 2020 में विद्यार्थियों के कौशलों के विकास करने पर विशेष बल दिया गया है। इसके द्वारा विद्यार्थी आत्मनिर्भर बन सकेंगे और एक विकसित राष्ट्र का निर्माण कर सकेंगे। इस कौशल आधारित कार्यशाला के नोडल राजेश खन्ना ने कहा कि कला विषय का अन्य सभी विषयों के साथ समावेशन अत्यंत आवश्यक है। सभी विषयों को कला के साथ जोडकर शिक्षण कराना विद्यार्थियों के लिए अत्यंत रुचिकर होगा। इसके द्वारा विद्यार्थियों के कौशलों का भी विकास होगा। इस कौशल आधारित कार्यशाला के सफल आयोजन में मास्टर ट्रेनर के रूप में सुनीता रानी, प्रीति सैनी, पूनम ,पूजा, संदीप, प्रदीप, राजकुमार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

बजट तैयारियों के बीच पूर्णकालिक वित्त सचिव नहीं, 30 नवंबर को राजपाल भी होंगे सेवानिवृत्त

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

चंडीगढ़ । हरियाणा में आगामी वित्त वर्ष 2027–28 के बजट की तैयारियां करीब हैं, लेकिन राज्य में पूर्णकालिक वित्त सचिव नियुक्त नहीं है। फिलहाल गृह व अन्य अहम विभाग संभाल रहे वरिष्ठ आईएएस सुधीर राजपाल के पास वित्त विभाग का अतिरिक्त प्रभार है। 30 नवंबर को उनकी सेवानिवृत्ति के बाद विभाग की कमान किसे मिलेगी, इसे लेकर असमंजस है। इसके अलावा 31 दिसंबर को मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी का कार्यकाल भी खत्म हो रहा है।

प्रदेश में आईएएस अधिकारियों के 226 स्वीकृत पदों में से 47 खाली हैं, जिसे देखते हुए सरकार ने केंद्र से प्रतिनियुक्ति पर गए चार अधिकारियों को वापस मांगा है। अधिकारियों की कमी और अतिरिक्त कार्यभार के चलते विभागीय प्रस्तावों की जांच में देरी होने पर जनकल्याणकारी योजनाओं के बजट पर असर पड़ने की आशंका है।

जहां भी गुरुद्वारे होते हैं, प्रधानमंत्री मोदी वहां जाते हैं : पाटिल

मोहाली, एजेंसी। फिलीपींस में गुरुद्वारा खालसा दीवान के पुनर्विकास समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शामिल होने पर केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल ने कहा कि जहां भी गुरुद्वारे होते हैं, प्रधानमंत्री मोदी वहां जाते हैं। वे प्रकाश पर्व के मौकों पर अक्सर बिहार भी जाते हैं। कई जगहों पर गुरुद्वारों के साथ उनका गहरा जुड़ाव है। मोहाली में पत्रकारों से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री केवल औपचारिकता के लिए नहीं, बल्कि श्रद्धा भाव से गुरुद्वारों में जाते हैं। मनीला में 100 साल पुराने गुरुद्वारे के पुनर्निर्माण कार्यक्रम में उनकी मौजूदगी सिख समुदाय के लिए गर्व की बात है। शिरोमणि अकाली दल के साथ गठबंधन की अटकलों पर केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल ने कहा, यह एक राजनीतिक दल है।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में गैस टैंकर पर मिसाइल अटैक

पश्चिम एशिया, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक रुक्कत्र टैंकर को मिसाइल हमले में निशाना बनाया गया है। पनामा के झंडे वाला यह जहाज हमले की चपेट में आया। इस पर कुल 25 क्रू मेंबर सवार थे, जिनमें 24 भारतीय नागरिक शामिल थे।

राहत की बात यह है कि हमले में सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने मंगलवार को इस घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि श्तारा गैस्च्य नाम के रुक्कत्र टैंकर पर हुए हमले के बाद सरकार संबंधित एजेंसियों के लगातार संपर्क में है। जहाज की प्रबंधन कंपनी से भी बातचीत की जा रही है, ताकि सभी भारतीय नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

गुरुग्राम में खुला हरियाणा का पहला कार्बन गार्डन, छात्रों में पर्यावरण जागरूकता बढ़ाने की अनूठी पहल

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

गुरुग्राम । पर्यावरण स्थिरता और शहरी हरित क्षेत्रों को बढ़ावा देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, आरएसपीएल वेलफेयर फाउंडेशन ने सेक्टर 52 स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय के सहयोग से कॉलेज परिसर में हरियाणा के पहले कार्बन गार्डन का उद्घाटन किया है। इस अनूठी पहल का मुख्य उद्देश्य छात्रों में पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता और पारिस्थितिक जागरूकता को प्रोत्साहित करना है। दिल्ली विश्वविद्यालय में स्थापित कार्बन गार्डन मॉडल से प्रेरित इस केंद्र में लगभग 50 प्रकार के औषधीय और पुष्पीय पौधे लगाए गए हैं। उद्घाटन समारोह में कुल 200 से अधिक पौधे रोपे गए, जिनमें जिन्कगो बिलोबा और आध्यात्मिक ऊर्जा के प्रतीक रुद्राक्ष के वृक्ष के अलावा शैवाल, ब्रायोफाइट्स, जिम्नोस्पर्म और एंजियोफाइट्स



शामिल हैं। इन पौधों का चयन स्थानीय जलवायु और कॉलेज के वनस्पति विज्ञान संकाय की अनुशंसा पर किया गया है। इस उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता परिषद के अध्यक्ष और भारत के पहले कार्बन गार्डन के संस्थापक प्रोफेसर दीनबंधु साहू थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में आरएसपीएल समूह के संयुक्त प्रबंध निदेशक राहुल ज्ञानचंदानी, कुशलता ज्ञानचंदानी और निदेशक सुशील कुमार बाजपेयी उपस्थित रहे। कॉलेज की प्रिंसिपल इंदु राव ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। आयोजकों का मानना है कि यह गार्डन छात्रों को व्यावहारिक रूप से पर्यावरण स्थिरता से जुडने और एक हरा–भरा भविष्य सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

हरियाणा का सरकारी शिक्षा ढांचा चरमराया : हुड्डा

723 प्राथमिक स्कूलों में केवल एक–एक शिक्षक, 398 स्कूलों में पीने योग्य पानी नहीं

राजेंद्र सिंह जादौन

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने प्रदेश की सरकारी शिक्षा व्यवस्था की बदहाली को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्राइमरी से लेकर उच्चतर शिक्षा तक पूरा तंत्र चरमरा गया है और सरकार बच्चों को न तो पर्याप्त शिक्षक दे पा रही है और न ही पीने का साफ पानी।

शिक्षक और कर्मचारियों के हजारों पद खाली

हुड्डा ने आंकड़े पेश करते हुए कहा कि शिक्षा विभाग में स्वीकृत पदों में से करीब 51 हजार पद रिक्त पड़े हैं और पिछले 12 वर्षों से जेबीटी (श्रठज) शिक्षकों की एक भी भर्ती नहीं हुई है। उच्चतर शिक्षा का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेजों में शिक्षकों के 2,831 पदों में से 1,394 और गैर–शिक्षक कर्मचारियों के 1,668 पदों में से 785 पद खाली हैं। प्रदेश के 97 सहायता प्राप्त कॉलेजों में से 56 में स्थायी प्रिंसिपल तक नहीं हैं।

एकल शिक्षक और दूषित पानी की समस्या

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि प्रदेश के 723 प्राथमिक स्कूल (जिनमें 19 मॉडल संस्कृति स्कूल भी शामिल हैं) मात्र एक–एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। इसके अलावा, 6 हजार स्कूलों से लिए गए पानी के नमूनों में से 398 स्कूलों का पानी पीने योग्य नहीं पाया गया है, जबकि 7,800 स्कूलों की जांच अभी बाकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि बजट की कमी के कारण मिड–डे मील के लिए स्कूलों को उधार राशन लेना पड़ रहा है और कई स्कूलों में बिजली, शौचालय व बेंच जैसी बुनियादी सुविधाएं भी नहीं हैं।

कांग्रेस कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाईं

अपनी सरकार के कार्यकाल की तुलना करते हुए हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस शासन में महेंद्रगढ़ केंद्रीय विश्वविद्यालय, 12 सरकारी विश्वविद्यालय, आईआईएम, लॉ यूनिवर्सिटी, 2,623 नए स्कूल और रेवाड़ी में सैनिक स्कूल स्थापित किए गए थे। साथ ही 50 हजार से अधिक शिक्षकों (जेबीटी, टीजीटी–पीजीटी) की भर्ती की गई थी, जबकि वर्तमान सरकार में भर्तियां न होने से युवाओं का शिक्षण पाठ्यक्रमों से मोहभंग हो रहा है।



21 YEARS OF FEARLESS
JOURNALISM DEFINING
THE POWER OF TRUTH.

लखनऊ | वाराणसी | नई दिल्ली